■ पौष कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 148 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 22-12-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 यह समझ से परे है कि कुछ राज्यों में एनईपी लागू नहीं हुई : उपराष्ट्रपति

6 योगेश कुमार जोशी: बाधाओं, दुर्गम इलाकों और गोलीबारी को पार करते हुए किया महवपूर्ण चोटी पर कब्जा

7 धूम मचाने के लिए तैयार हैं कियारा आडवाणी

फर्स्ट टेक

अयोध्या में राम मंदिर को वैश्विक सुरक्षा मान्यता मिली

अयोध्या (उप्र)/भाषा। राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण ने दुनिया भर में सुरक्षा के लिए एक मानक स्थापित किया है। बड़े-बड़े पत्थरों के साथ दिन-रात लगातार काम करने के बावजूद, अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाली कोई दुर्घटना नहीं हुई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ब्रिटिश सुरक्षा परिषद ने बिल्डर को 'स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने गोल्डन ट्रॉफी प्रदान की। विशेषज्ञों के अनुसार यह सम्मान मंदिर निर्माण के दौरान लागू किये गये नये उत्कृष्ट सुरक्षा के उपायों को दर्शाता है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शह और मात

लोकतंत्र में खेल हो रहा,
शाह और शहजादे का।
फैंक रहे सब अपना पांसा,
आश्वासन और वादे का।
व्यूह रच रहे सब शतरंजी,
अपनी चाल इरादे का।
मात और शह में समान बल,
है वजीर और प्यादे का।।

अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरूरी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में नॉर्थ ईस्ट डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन एनईडीएफसी की ओर से आयोजित नॉर्थ ईस्ट बैंकर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरूरी है।

इस अवसर पर केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केन्द्रीय उत्तर पूर्वी विकास क्षेत्र राज्य मंत्री सुकांत मजुमदार और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि140 करोड़ की जनसंख्या और विषम भौगोलिक स्थिति वाले देश भारत के लिए अर्थतंत्र को बढ़ावा देने के साथ ही हर क्षेत्र क्षेत्र, राज्य और हर गांव और हर व्यक्ति का आर्थिक विकास जरूरी है। जब तक हम देश के 140 करोड़ लोगों के आर्थिक विकास को पूरा नहीं कर सकते तब तक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकते। विकसित राष्ट्र की कल्पना ही यह है कि हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार का पालन करने में सक्षम हो, हर व्यक्ति के पास मूलभूत सुविधाएँ हों और हर व्यक्ति देश के विकास में योगदान करे। ऐसा राष्ट्र ही विकसित राष्ट्र बन सकता है।

भारत-म्यांमार सीमा पर जनसांख्यिकी आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए : अमित शाह

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत-म्यांमार सीमा पर, विशेष रूप से नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर में जनसांख्यिकीय आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए ताकि सीमा पर बाड़ लगाने में मदद मिल सके और घुसपैठ को रोका जा सके। यहां पूर्वोत्तर अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) सोसायटी की 12वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में खनिज, तेल और कोयला भंडारों के लिए व्यापक मानचित्रण की आवश्यकता है ताकि इन खनिजों से प्राप्त रॉयल्टी से क्षेत्र को आर्थिक लाभ मिल सके। शाह ने कहा, ''भारत-म्यांमार सीमा पर, खासकर नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर में जनसांख्यिकीय आंकड़ों का मानचित्रण किया जाना चाहिए ताकि सीमा पर बाड़ लगाने में मदद मिल सके और घुसपैठ को रोका जा सके।''

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों की सराहना की, कहा-

भारत बन सकता है 'विश्व की कौशल राजधानी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुवैत सिटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए शनिवार को यहां कहा कि भारत में ''विश्व की कौशल राजधानी'' (स्किल कैपिटल) बनने का सामर्थ्य है।

मोदी शहर के शेख साद अल अब्दुल्ला इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'हला मोदी' में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''हर साल सैकड़ों भारतीय कुवैत आते हैं; आपने कुवैत के समाज में भारतीयता का तड़का लगाया। आपने कुवैत के 'कैनवास (परिदृश्य)' को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है। आपने कुवैत में भारत की प्रतिभा, तकनीक और परंपरा का मसाला घोल दिया है।''

कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत की यात्रा पर आए मोदी ने खाड़ी देश में देश के विभिन्न कोनों से आए भारतीयों की मौजूदगी को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे ''मिनी हिंदुस्तान'' कहा। उन्होंने कहा कि भारत के स्टार्टअप, फिनटेक, स्मार्ट प्रौद्योगिकी और हरित प्रौद्योगिकी कुवैत की हर जरूरत के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित कर सकते हैं।

मोदी ने कहा कि, ''भारत कुशल प्रतिभाओं की विश्व की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सक्षम है...भारत में विश्व की कौशल राजधानी बनने की भी क्षमता है।'' उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि आने वाले कई दशकों तक भारत विश्व का सबसे युवा देश बना रहेगा।

कुवैत और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय कामगारों को समर्थन देने के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने 'ई-माइग्रेट' पोर्टल समेत सरकार द्वारा क्रियान्वित प्रौद्योगिकी-संचालित योजनाओं पर चर्चा की।

कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद देते हुए मोदी ने कहा कि 43 वर्षों के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री सदियों पुरानी मित्रता को और मजबूत करने के लिए कुवैत की यात्रा पर आया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत और कुवैत के बीच संबंध सभ्यता, समुद्र, स्नेह, व्यापार और वाणिज्य के हैं। भारत और कुवैत अरब सागर के दो किनारों पर स्थित हैं। हमें सिर्फ कूटनीति ही नहीं जोड़ती, बल्कि दिल के रिश्ते भी जोड़ते हैं।''

महाभारत और रामायण का अरबी में अनुवाद करने वाले कुवैत के दो नागरिकों से मिले प्रधानमंत्री

कुवैत सिटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कुवैत के उन दो नागरिकों से मुलाकात की, जिन्होंने भारत के दो महत्वपूर्ण ग्रंथों महाभारत और रामायण का अरबी में अनुवाद और प्रकाशन किया है। प्रधानमंत्री ने दोनों ग्रंथों के अरबी संस्करणों की प्रतियों पर हस्ताक्षर भी किए। मोदी ने 'एक्स' पर तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, रामायण और महाभारत के अरबी अनुवाद देखकर मुझे खुशी हुई। मैं अनुवाद और प्रकाशन में अब्दुल्ला अल-बैरन और अब्दुल लतीफ अल-नसेफ के प्रयासों की सराहना करता हूं। उनकी यह पहल विश्व स्तर पर भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता को उजागर करती है।

इम्फाल पश्चिम में इम्फाल सेंट्रल लाइब्रेरी में 31वें इम्फाल पुस्तक मेले का आनंद लेते हुए लोग।

शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर मुहिम तेज करेगी कांग्रेस, मनाएगी अंबेडकर सम्मान सप्ताह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जोर-शोर से उठाने के बाद अब सड़क पर उतरकर अपनी मुहिम तेज करेगी और आगामी सप्ताह को अंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी।

पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि इस विषय पर पार्टी के सांसद और वरिष्ठ नेता 22 और 23 दिसंबर को देश के अलग अलग शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा 24 दिसंबर को हर जिले में अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला जाएगा।

मुख्य विपक्षी दल बेलगावी में अगले सप्ताह प्रस्तावित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में भी अंबेडकर के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएगी।

वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम मनुस्मृति पूजकों के खिलाफ डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत की रक्षा के लिए लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आगामी सप्ताह को डॉ. अंबेडकर सम्मान सप्ताह के रूप में मनाएगी। उन्होंने बताया कि सभी कांग्रेस सांसद, वरिष्ठ नेता और कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य 22-23 दिसंबर को देश भर में अपने निर्वाचन क्षेत्रों और गृह जिलों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

वेणुगोपाल का कहना था, 24 दिसंबर को पूरे देश में हम बाबासाहेब अंबेडकर सम्मान मार्च निकालेंगे और अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए जिला कलेक्टरों के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने कहा, सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, मार्च के दौरान बाबासाहेब के विशाल चित्र और हमारी प्रमुख मांगों को दर्शाने वाली तख्तियां लेकर चलेंगे।वेणुगोपाल के अनुसार, 26-27 दिसंबर को हम बेलगावी में एक विस्तारित सीडब्ल्यूसी सत्र और एक विशाल रैली आयोजित करेंगे जहां अंबेडकर और उनके आदर्शों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराया जाएगा।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने संवाददाताओं से कहा, हमारे सभी सांसद और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य 22 और 23 दिसंबर को 150 शहरों में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इनमें संविधान पर हमले को उजागर किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते रहेंगे।

कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि शाह ने 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' विषय पर राज्यसभा में दो दिन तक चली चर्चा का जवाब देते हुए मंगलवार को अपने संबोधन के दौरान बाबासाहेब का अपमान किया।

मुख्य विपक्षी दल ने शाह के संबोधन का एक वीडियो अंश भी जारी किया था, जिसमें गृह मंत्री विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए यह कहते सुने जा सकते हैं, अभी एक फैशन हो गया है- अंबेडकर, अंबेडकर...। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा बाबासाहेब का अपमान किया और यह सुनिश्चित किया कि वह चुनाव में हार जाएं।

ऊंटों की घटती संख्या चिंता का विषय, तत्काल कदम उठाने की जरूरत : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऊंटों की संख्या में भारी कमी आ रही है और इस संदर्भ में तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। एक शीर्ष पशुपालन अधिकारी ने यह बात कही है और पारंपरिक चरवाहे समुदायों को अधिक समर्थन का आह्वान किया है।

पशुपालन और डेरी विभाग (डीएएचडी) की सचिव अलका उपाध्याय ने शुक्रवार को राजस्थान के बीकानेर में ऊंटनी के दूध उत्पादन पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में ऊंटों को बचाने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि उन्होंने राष्ट्रीय पशुधन मिशन को चरागाह के संरक्षण और ऊंटों को पालने वाले चरवाहा समुदायों का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियमों में किया गया बदलाव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज तथा उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोक दिया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे गए ''कागजात'' या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है।

नियम 93 के अनुसार, चुनाव से संबंधित सभी ''कागजात'' सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे जायेंगे।संशोधन में ''कागजातों'' के बाद ''जैसा कि इन नियमों में निर्दिष्ट है'' शब्द जोड़े गए हैं। विधि मंत्रालय और निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने अलग-अलग बताया कि संशोधन के पीछे एक अदालती मामला था।

यद्यपि नामांकन फार्म, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, परिणाम और चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है, लेकिन आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते हैं।

निर्वाचन आयोग के एक पदाधिकारी ने कहा, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां नियमों का हवाला देते हुए ऐसे इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए हैं।

संकल्प पत्र

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद मनोज तिवारी और वरिष्ठ नेता अरविंदर सिंह लवली शनिवार को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में भाजपा के संकल्प पत्र 2025 के लिए एक कार्यक्रम के दौरान।

पंजाब के मोहाली में बहुमंजिला इमारत ढही, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मोहाली जिले के सोहाना गांव में शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

अभियान के तहत दो उत्खनन मशीनों को काम पर लगाया गया है। दमकल विभाग की एक टीम भी मौके पर मौजूद है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि इमारत ढहने पर तेज आवाज सुनाई दी। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि इमारत गिरने के पीछे क्या कारण था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक पारीक स्थिति का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे हैं।

जीएसटी परिषद ने बीमा पर कर-कटौती का फैसला टाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर/भाषा। जीएसटी परिषद की शनिवार को हुई बैठक में स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर कर कम करने का फैसला टाल दिया गया। इस बीच 148 वस्तुओं पर कर की दर में फेरबदल की मंत्रिसमूह की बहुचर्चित सिफारिश परिषद के समक्ष नहीं रखी गई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और राज्य सरकारों के वित्त मंत्रियों वाली परिषद के कुछ सदस्यों ने महसूस किया कि बीमा कराधान के संबंध में अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

बीमा पर मंत्री समूह की समिति के प्रमुख बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि समूह, व्यक्तिगत, वरिष्ठ नागरिक पॉलिसियों के कराधान पर निर्णय लेने के लिए एक और बैठक की आवश्यकता है।

चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, कुछ (परिषद) सदस्यों ने कहा कि इस पर और अधिक चर्चा की आवश्यकता है। हम (जीओएम) जनवरी में फिर मिलेंगे। इसके अलावा, दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्री समूह की रिपोर्ट परिषद के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई। रिपोर्ट में 148 वस्तुओं में बदलाव की सिफारिश की गई थी। समिति के संयोजक चौधरी ने कहा, हम दरों को तर्कसंगत बनाने पर मंत्री समूह की रिपोर्ट परिषद की अगली बैठक में प्रस्तुत करेंगे। परिषद की चल रही बैठक में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। केंद्र और राज्यों के जीएसटी विभागों के अधिकारियों वाली फिटमेंट समिति के कई प्रस्ताव परिषद के समक्ष समीक्षा के लिए आएंगे। प्रस्तावों में से एक स्विगी और जोमैटो जैसे खाद्य वस्तुओं के वितरण मंचों पर करों को मौजूदा 18 प्रतिशत (आईटीसी के साथ) से घटाकर पांच प्रतिशत करना शामिल है। सूत्रों के अनुसार, इसमें इस्तेमाल की गई इलेक्ट्रिक गाड़ियों के साथ-साथ छोटे पेट्रोल और डीजल वाहनों की बिक्री पर कर की दर को मौजूदा 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का प्रस्ताव किया जा सकता है। इस बढ़ोतरी से इस्तेमाल की गई और पुरानी छोटी कारें और इलेक्ट्रिक वाहन पुराने बड़े वाहनों के बराबर हो जाएंगे। इसके अलावा, जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर पर मंत्रियों के समूह (जीओएम) को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जून, 2025 तक छह महीने का विस्तार मिलने की संभावना है।

भारत के हरित आवरण में 2021 से 2023 तक 1,445 वर्ग किलोमीटर वृद्धि: सरकारी रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत के कुल वन और वृक्ष क्षेत्र में 2021 के बाद से 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है और अब यह कुल भौगोलिक क्षेत्र का 25.17 प्रतिशत हो गया है। नए सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

शनिवार को जारी भारत राज्य वन रिपोर्ट (आईएसएफआर) 2023 में कहा गया कि देश का कुल वन क्षेत्र 2021 में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर था, जो बढ़कर 2023 में 7,15,343 वर्ग किलोमीटर हो गया, लिहाजा अब कुल भौगोलिक क्षेत्र का 21.76 प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र है।

रिपोर्ट में कहा गया कि वृक्ष क्षेत्रफल 1,289 वर्ग किलोमीटर बढ़ गया है और अब यह देश के भौगोलिक क्षेत्र का 3.41 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, वन और वृक्षों का क्षेत्रफल 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, यानी भारत के भौगोलिक क्षेत्र के 25.17 प्रतिशत क्षेत्र पर वन और वृक्ष हैं। यह 2021 के बाद 1,445 वर्ग किलोमीटर की कुल वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें अकेले वन क्षेत्र में 156 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल वन और वृक्ष आवरण में मध्यप्रदेश अग्रणी है, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश और महाराष्ट्र हैं। छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में वन और वृक्ष आवरण में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तराखंड: पिथौरागढ़ में भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड में धारचूला-तवाघाट-लिपुलेख मार्ग पर बड़े पैमाने पर हुए भूस्खलन के कारण सड़क बंद हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने बताया कि पिथौरागढ़ में तवाघाट के पास भूस्खलन पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुआ। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन भूस्खलन के कारण सड़क बंद हो गई।

जिलाधिकारी ने बताया, धारचूला के उप जिलाधिकारी और बीआरओ (सीमा संगठन संगठन) अधिकारी मौके पर पहुंचे और भारत-चीन सीमा पर लिपुलेख तक जाने वाली सड़क को खोलने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि सड़क को जल्द ही खोल दिया जाएगा।

गोस्वामी ने बताया कि भूस्खलन संभवतः तब हुआ जब मुख्य सड़क के ऊपर निर्माणाधीन एक अन्य सड़क का मलबा खिसकने लगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि तवाघाट-धारचूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। उन्होंने भूस्खलन में किसी के हताहत नहीं होने पर राहत जताते हुए कहा कि जल्द से जल्द मार्ग खोलने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस की अनुमति न मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए: रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद अल्लू अर्जुन चार दिसंबर को 'पुष्पा-2' की स्क्रीनिंग के दौरान संध्या थिएटर गए थे।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भगदड़ में एक महिला की मौत के बाद भी अभिनेता सिनेमा हॉल से बाहर नहीं गए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरन बाहर निकाला।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी द्वारा विधानसभा में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद रेड्डी ने प्रसारित वीडियो का हवाला देते हुए अल्लू अर्जुन पर रोड शो निकालने और भारी भीड़ के बावजूद भीड़ को देखकर हाथ हिलाने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कहा कि थिएटर प्रबंधन ने दो दिसंबर को पुलिस को एक पत्र लिखा था, जिसमें चार दिसंबर को अल्लू अर्जुन और अन्य लोगों के आने के दौरान सुरक्षा की मांग की गई थी।

हालांकि, पुलिस ने भीड़ प्रबंधन में कठिनाइयों का हवाला देते हुए आवेदन को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि थिएटर में प्रवेश करने और बाहर निकलने से पहले अभिनेता ने अपनी कार की सनरूफ से बाहर निकलकर भीड़ को देखकर हाथ हिलाया, जिससे हजारों प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की करने लगे। उन्होंने फिल्मी हस्तियों की इस बात के लिए आलोचना की कि वे अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद उनसे मिलने के लिए उनके घर की ओर कूच कर गए लेकिन घटना में घायल होने के बावजूद अस्पताल में इलाज करा रहे लड़के से मिलने के लिए उन्होंने सहानुभूति तक नहीं दिखाई। उन्होंने कहा, मैं फिल्मी हस्तियों से अपील करता हूं कि उन्हें अमानवीय व्यवहार नहीं करना चाहिए।

रेड्डी ने यह भी कहा कि भगदड़ में मौत जैसी अप्रिय घटनाएं होने पर कोई विशेषाधिकार नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार आम लोगों को परेशान करने वालों को नहीं बख्शेगी।

हैदराबाद के संध्या थिएटर में चार दिसंबर को भगदड़ जैसी स्थिति के दौरान 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसके आठ वर्षीय बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

क्रिसमस

मुरादाबाद में सांता क्लॉज़ की पोशाक पहने पुरुष शनिवार को एक स्कूल में आयोजित क्रिसमस से पहले के जश्न के कार्यक्रम के दौरान छात्रों को मिठाई बांटते हुए।

कार पर कंटेनर ट्रक पलटने से एक परिवार के छह लोगों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के निकट शनिवार को एक कंटेनर ट्रक के कार के ऊपर पलट जाने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना बेंगलुरू के बाहरी इलाके तालेकेरे के निकट नेलमंगला में हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान चंद्रायगप्पा गौल (48), गौराबाई (42), विजयलक्ष्मी (36), जॉन (16), दीक्षा (12) और आर्या (छह) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना के समय परिवार विजयपुरा जा रहा था। सूत्रों ने बताया कि चंद्रायगप्पा 'एचएसआर लेआउट' में एक सॉफ्टवेयर फर्म के मालिक थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रक के कार पर गिरने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और शव क्षत-विक्षत हो गए। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर वाहनों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

महाराष्ट्र में पोर्टफोलियो आवंटन

फडणवीस को गृह, कानून व न्यायपालिका, शिंदे को शहरी विकास, अजीत पवार को वित्त

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में प्रमुख विभागों के पोर्टफोलियो का आवंटन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गृह मंत्रालय, कानून और न्यायपालिका जैसे महत्वपूर्ण विभाग सौंपे गए हैं। यह जिम्मेदारी राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के उनके प्रयासों पर आधारित है। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। ये विभाग राज्य के बुनियादी ढांचे और शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री अजित पवार को वित्त और योजना तथा आबकारी विभाग का कार्यभार सौंपा गया है।

यह विभाग राज्य के आर्थिक प्रबंधन और बजट के संचालन के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। इस पोर्टफोलियो आवंटन के बाद महाराष्ट्र सरकार की नीतियां और कार्यशैली पर सभी की नजरें हैं, क्योंकि इन विभागों का प्रभाव सीधे तौर पर राज्य की जनता के जीवन पर पड़ेगा।

मंत्री प्रियंक खरगे ने अंबेडकर पर टिप्पणी के लिए अमित शाह पर निशाना साधा

कलबुर्गी। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर बी.आर. अंबेडकर पर की गई उनकी टिप्पणी को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि ''उन्हें पागल कुत्ते ने काट लिया है।'' सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि अगर मैं सात जन्मों में भगवान का नाम जपूंगा तो मुझे स्वर्ग में जगह मिलेगी या नहीं, लेकिन इस जन्म में अंबेडकर का नाम जपने से हमें राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक समानता और आत्मसम्मान का जीवन मिलेगा।''

केंद्रीय गृह मंत्री पर कटाक्ष करते हुए प्रियंक खरगे ने कहा कि उनकी समस्या यह है कि अंबेडकर और समानता उनके विचारों में नहीं हैं। ये चीजें उनके दर्शन और विचारधारा से गायब हैं।

दलित प्रोफेसर से जातिगत भेदभाव के आरोप में आईआईएम बेंगलूरु के निदेशक समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

बेंगलूरु। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बेंगलूरु के निदेशक और सात प्रोफेसर के खिलाफ एक दलित एसोसिएट प्रोफेसर से जाति के आधार पर भेदभाव करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसोसिएट प्रोफेसर की शिकायत के आधार पर शुक्रवार को आईआईएम बेंगलूरु के निदेशक और दूसरे संकाय सदस्यों के खिलाफ अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें शिकायत मिली और मामला दर्ज किया गया। हालांकि, प्राथमिकी में नामजद लोगों ने दावा किया कि उन्होंने उसी शाम अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है। लेकिन हमें अब तक आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। नागरिक अधिकार प्रवर्तन निदेशालय (डीसीआरई) की एक जांच रिपोर्ट के आधार पर, समाज कल्याण विभाग ने राज्य पुलिस प्रमुख को उक्त एसोसिएट प्रोफेसर की शिकायत पर कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था।

भाजपा सीटी रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा भाजपा नेता और एमएलसी सी.टी. रवि के साथ दुर्व्यवहार का दावा करके पार्टी एक महिला मंत्री के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के मूल मुद्दे से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है।

'अंतरात्मा की आवाज' को महत्वपूर्ण करार देते हुए उन्होंने राज्य में भाजपा नेतृत्व पर रवि का समर्थन करने के लिए निशाना साधा, जिन्हें राज्य की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार को रवि की रिहाई के उच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, उनसे (भाजपा से) पूछिए कि उन्होंने (रवि) जो कहा वह सही था या नहीं। बाकी चीजों पर बाद में चर्चा करेंगे। यह उनकी पार्टी और नेता की संस्कृति को दर्शाता है... अदालत में जो हुआ, उसे उन पर (रवि) और पुलिस पर छोड़ दिया गया है। मुख्य मुद्दा उनकी भाषा और उनकी संस्कृति है।

मेरी जान को खतरा, सरकार को सुरक्षा देनी चाहिए : भाजपा नेता सीटी रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सदस्य सी. टी. रवि ने शनिवार को दावा किया कि उनकी जान को खतरा है और सरकार को उन्हें सुरक्षा देनी चाहिए। रवि को दो दिन पहले बेलगावी स्थित सुवर्ण विधान सौध में आहूत विधानमंडल सत्र के दौरान विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्द का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और बाद में अदालत के निर्देश पर रिहा कर दिया गया था।

मल्लेश्वरम् स्थित भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को माथे पर पट्टी बांधे पत्रकारों को संबोधित करते हुए रवि ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और मंत्री लक्ष्मी ने उनके खिलाफ साजिश रची है। पूर्व मंत्री रवि ने कहा, ''मानवाधिकारों का उल्लंघन किया गया। शिवकुमार और लक्ष्मी हेब्बालकर ने मेरे खिलाफ साजिश रची है।'' उन्होंने कहा, मेरी जान को खतरा है और सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। अगर मुझे कुछ होता है तो इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी।''

भाजपा नेता ने दावा किया कि उन्होंने हमेशा हेब्बालकर को सम्मान के साथ संबोधित किया है और उनके खिलाफ झूठ फैलाया गया है।

रवि ने दावा किया कि उन्हें गिरफ्तार कर रात को अंधेरे में गन्ने के खेतों जैसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाया गया। इससे उनका विश्वास पुख्ता हुआ कि उन्हें रास्ते से हटाने के लिए साजिश रची जा रही है। उन्होंने गिरफ्तार करने के बाद से लेकर दावणगेरे में छोड़ने तक की सभी बातें बताईं।

उन्होंने कहा कि रात में खेतों में पुलिस वाहन रोका गया और बहुत देर तक पुलिस अधिकारी फोन पर 'निर्देश' लेते रहे। उन्हें पेशाब करने भी नहीं दिया गया। उनके सिर पर खून बह कर सूख गया था उसे भी साफ नहीं करने दिया। पुलिस ने उनके साथ बहुत ही दुर्व्यवहार किया। रवि ने पुलिस द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार की न्यायिक जांच की भी मांग की।

संवाददाता सम्मेलन में विधान परिषद में विपक्ष के नेता छलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंदा करजोला, पूर्व मंत्री के. गोपालैया, एन. मुनिरत्ना, के.सी. नारायण गौड़ा, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, विधायक रविसुब्रमणि, भाजपा बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश शेषराघवचार, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री. मंजुला, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश आदि शामिल हुए।

कर्नाटक महिला आयोग ने नेता सीटी रवि के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने विधान परिषद के सभापति बसवराज होर्राट्टी से 19 दिसंबर को सदन के भीतर मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ की गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सी टी रवि की कथित अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का आग्रह किया है। आयोग की अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी ने होर्राट्टी को पत्र लिखकर कहा कि भाजपा नेता रवि ने महिलाओं का अपमान किया है और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने पत्र में लिखा, ''विधान परिषद सदस्य सी टी रवि द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अभद्र एवं असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल कर उन्हें अपमानित करने की कथित घटना की उच्च स्तरीय जांच का अनुरोध करती हूं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि रवि ने इस प्रतिष्ठित सदन में एक महिला मंत्री के खिलाफ निम्नतर स्तर के असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल किया जो देश की महिलाओं, उनकी गरिमा एवं उनकी भावनाओं का अपमान है। उन्होंने होरट्टी से इस मामले पर गंभीरता से विचार करने और उच्च स्तरीय जांच का आदेश देने का अनुरोध किया।

रवि को कर्नाटक विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन बेलगावी में हुई घटना के तुरंत बाद 19 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में रवि को बेंगलूरु लाया गया। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उनकी रिहाई का आदेश देते हुए उनकी गिरफ्तारी को अवैध ठहराया था और कहा था कि इस दौरान उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

सीटी रवि के खिलाफ आक्रोश, लक्ष्मी हेब्बालकर के प्रशंसकों ने किया भारी विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। बीजेपी एमएलसी सीटी रवि द्वारा विधान परिषद में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल करने का मामला राष्ट्रीय राजनीति में सुर्खियां बटोर रहा है, शनिवार को बेलगावी में लक्ष्मी हेब्बालकर के समर्थकों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। बेलगाम के सीपीडी मैदान से हजारों समर्थकों ने मार्च निकाला और सीटी रवि को परिषद सीट से बर्खास्त करने की मांग की। जुलूस में, सिटी रवि ने एक नकली अंतिम संस्कार का मंचन किया और पुतले पर साड़ी फेंकी, जिससे आक्रोश फैल गया। चन्नम्मा सर्कल में उन्होंने पुतला जलाया और उसे चप्पलों से मारा और अपना आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले सीटी रवि को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में शोक गीत गाकर सिटी रवि के खिलाफ नारे बाजी की गई। लक्ष्मी हेब्बालकर के समर्थकों ने न केवल सीटी रवि लक्ष्मी हेब्बालकर के लिए बेलगाम जिला कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल और राष्ट्रपति को एक अनुरोध प्रस्तुत किया। उन्होंने पूरी महिलाओं का अपमान किया। प्रशंसकों की मांग है कि सीटी रवि को माफी मांगनी चाहिए और उनकी विधान परिषद की सदस्यता रद्द की जानी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में जिले भर से और विभिन्न जिलों से भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। प्रदर्शकों की मांग थी कि सीटी रवि को एक क्षण भी विधान परिषद का सदस्य बने रहने का अधिकार नहीं है। बीजेपी को उन्हें तुरंत बाहर फेंक देना चाहिए।'

इसरो और ईएसए अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, मिशन कार्यान्वयन पर सहयोग करने पर सहमत हुए

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसने अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, मिशन कार्यान्वयन और अनुसंधान प्रयोगों से संबंधित गतिविधियों पर सहयोग के लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते पर इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के सचिव डॉ. एस सोमनाथ और ईएसए के महानिदेशक डॉ. जोसेफ एशबैकर ने हस्ताक्षर किए।

इसरो ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह समझौता मानव अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान में सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है, इनमें विशेष रूप से अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण, प्रयोग विकास और एकीकरण के लिए समर्थन, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर ईएसए सुविधाओं का उपयोग, मानव और जैव चिकित्सा अनुसंधान प्रयोग कार्यान्वयन के साथ-साथ संयुक्त शिक्षा और संपर्क गतिविधियों जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

दोनों एजेंसियां आगामी एक्सिओम-4 मिशन के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) पर भारतीय प्रधान अन्वेषकों द्वारा चुने गए प्रयोगों को क्रियान्वित करने के लिए सहयोग कर रही हैं। इसमें इसरो के गगनयात्री और ईएसए के अंतरिक्ष यात्री चालक दल के सदस्य हैं, विज्ञप्ति के मुताबिक इसके अलावा, ईएसए के मानव शारीरिक अध्ययन, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन प्रयोगों के साथ-साथ संयुक्त शैक्षिक संपर्क गतिविधियों में भागीदारी पर भी विचार किया जा रहा है।

सोमनाथ ने अपने संबोधन में रेखांकित किया कि इसरो ने मानव अंतरिक्ष उड़ान गतिविधियों के लिए एक कार्ययोजना तैयार की है और (प्रस्तावित)भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएएस) को हाल ही में मिली मंजूरी मानव अंतरिक्ष उड़ान मंचों के बीच अंतर-संचालन क्षमता विकसित करने का अवसर प्रस्तुत करती है। डॉ. एशबैकर ने ईएसए परिषद को संबोधित करने के लिए डॉ. सोमनाथ को धन्यवाद दिया तथा कहा कि यह समझौता दोनों एजेंसियों के बीच सहयोग के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

ईपीएफ जमा धोखाधड़ी मामले में पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा से संबंधित कथित धोखाधड़ी के सिलसिले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-2 एवं वसूली अधिकारी, के.आर.पुरम, शदक्षरा गोपाल रेड्डी द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट में कहा गया है कि चूककर्ता उथप्पा से 23,36,602 रुपये वसूल किए जाने हैं।

पूर्व क्रिकेटर इंदिरानगर स्थित सेंटॉरीज लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। पुलकेशिनगर थाना प्रभारी कार्यालय को दिए गए अपने आदेश में वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बकाया राशि का भुगतान न किए जाने के कारण यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त के मद्देनजर, आपसे अनुरोध है कि संलग्न गिरफ्तारी वारंट को उस थाना प्रभारी के माध्यम से निष्पादित करें जिसके अधिकार क्षेत्र में रॉबिन उथप्पा रहते हैं।

इसमें कहा गया, इस संबंध में आपसे अनुरोध है कि आयकर अधिनियम 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 73 तथा आयकर (सीपी) नियम 1962 और कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 की धारा 8बी के अंतर्गत नियोक्ता को गिरफ्तार किया जाए तथा उसे आपके कार्यालय के माध्यम से आगे की कार्यवाही के लिए दिनांक 27 दिसंबर 2024 को या उससे पहले अधोहस्ताक्षरी के समक्ष पेश किया जाए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हालांकि कहा, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट में उल्लिखित पता पुराना है और संबंधित व्यक्ति अब इस पते पर नहीं रहता है।

उन्होंने कहा, हमारी टीम दिए गए पते पर गई और सत्यापन किया। जानकारी के अनुसार, उसने एक साल पहले ही उल्लेखित घर खाली कर दिया था। हमने संबंधित अधिकारी को इसकी सूचना दे दी है। आगे का निर्णय गिरफ्तारी वारंट जारी करने वाले संबंधित अधिकारी द्वारा लिया जाएगा।

तृतीय लिंग को 0.5 प्रतिशत अंतरिम आरक्षण दे एनएलएसआईयू : कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) को निर्देश दिया है कि वह दाखिले में तृतीय लिंग को 0.5 प्रतिशत अंतरिम आरक्षण दे और जब तक विश्वविद्यालय ऐसे आवेदकों के लिए आरक्षण को लेकर कोई नीति नहीं बना लेता, तब तक फीस में छूट दी जाए। न्यायमूर्ति रवि वी. होस्मानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनएलएसआईयू को वित्तीय सहायता की व्यवस्था के सिलसिले में उचित अनुदान के लिए केंद्र और राज्य सरकार से संपर्क करने को भी कहा।

अदालत ने राज्य सरकार द्वारा समुदाय के लिए 0.5 प्रतिशत कोटा निर्धारित करने के लिए रोजगार में तृतीय लिंग के लोगों को प्रदान किए गए एक प्रतिशत आरक्षण पर भी गौर किया। अदालत ने मुगिल अंबु वसंता द्वारा दायर याचिका पर यह निर्देश दिया।

शताब्दी समारोह

बेंगलूरु में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय 'कृष्णा' में बेलगावी में 1924 में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन के शताब्दी समारोह की बैठक मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, गृह सचिव परमेश्वर, मंत्री एचके पाटिल, केजे जॉर्ज, केएच मुनियप्पा, डॉ. बोसराजू,एमसी सुधाकर और अन्य संसद सदस्य और समिति के पदाधिकारी शामिल हुए।

मंड्या में ट्रक और कार की टक्कर में तीन लोगों की मौत

मंड्या। यहां जिले में एक ट्रक ने कार को शनिवार को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मद्दुर तालुका में पूर्वाह्न 11 बजे के करीब ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। कार में चार लोग मौजूद थे, जिसमें से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बेंगलूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गोल्डन चैरियट ट्रेन यात्रा में ऐतिहासिक स्थलों का अनावरण होगा : एचके पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पर्यटन, कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि गोल्डन चैरियट ट्रेन यात्रा दक्षिण भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत और ऐतिहासिक स्थानों का अनावरण है। शनिवार को यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के फ्लैट फॉर्म 6 पर गोल्डन चैरियट लक्जरी ट्रेन सेवाओं के शुभारंभ पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये गोल्डन चैरियट ट्रेन सेवाएं जो 2018 से अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थीं, उन्हें फिर से शुरू कर दिया गया है। ट्रेन का स्वामित्व 50 प्रतिशत भारतीय रेलवे के पास, 25 प्रतिशत पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के पास और 25 प्रतिशत केएसटीडीसी के माध्यम से राज्य सरकार के पास है। ट्रेन का इंटीरियर कलात्मक रूप से डिजाइन किया गया है।

18 कोचों का नाम कदंब, होयसला, विजयनगर चालुक्य राजवंशों के नाम पर रखा गया है जिन्होंने कर्नाटक पर शासन किया था। भोजन और आवास की शानदार व्यवस्था की गई है। यह गोल्डन चैरियट टूरिज्म पर्यटकों को पश्चिमी घाट, प्राचीन समुद्र तटों, सांस्कृतिक स्थलों के साथ-साथ विश्व प्रसिद्ध विरासत स्थलों पर ले जाता है। इससे ट्रेन होटलों, कारीगरों, टूर ऑपरेटरों को आय होगी। उन्होंने कहा कि इस विशेष ट्रेन यात्रा को दुनिया की सात सर्वश्रेष्ठ लक्जरी ट्रेन यात्राओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई है और इसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

इस ट्रेन में 44 सुसज्जित केबिन, संलग्न बाथरूम, वाई-फाई है। रुचि और नलपाका नाम के दो होटल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय व्यंजन परोसते हैं। उन्होंने कहा कि लाउंज बार, फिटनेस सेंटर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं।

चैरियट की यात्राएं

'ज्वेल ऑफ साउथ टूर' 21 से 26 दिसंबर तक बेंगलूरु से शुरू होगा और मैसूर, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावुर, कोचीन, मरारीकुलम तक जाएगा और फिर बेंगलूरु लौट आएगा। यह पांच दिवसीय टूर है जिसकी लागत प्रति व्यक्ति 4,07,700/- रुपये है।

'प्राइड ऑफ कर्नाटक टूर' आगामी 1 फरवरी से 6 फरवरी तक होगा। जिसमें बेंगलूरु, नंजनगुड, मैसूरु, हलेबिडु, चिकमगलूर, होसपेट, गोवा, बेंगलूरु की यात्रा लागत 2,71,800 रुपये है। 'सोजर्न ऑफ साउथ चार्टर्ड टूर' 28 दिसम्बर से 12 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे।

यह दौरा भारत विशेषकर दक्षिण भारतीय पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने में बहुत मददगार है।

2029 तक, कर्नाटक अपने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने वाला तीसरा शीर्ष भारतीय राज्य बनने का भी लक्ष्य बना रहा है। साथ ही, यह दौरा लोगों को पर्यटन स्थल के महत्व के बारे में सूचित करने के लिए तैयार किया गया प्रतीत होता है।

इस मौके पर प्रमुख शासन सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, शासन सचिव पर्यटन विभाग सलमा के. फहीम, केएसटीडीसी के अध्यक्ष एम. श्रीनिवास, बेंगलूरु शहर के जिला कलेक्टर जी. जगदीश और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

श्रद्धासुमन

शनिवार को मंड्या के मद्दूर के पास सोमनहल्ली गांव में पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे एसएम कृष्णा के 11वें दिन के स्मणोत्सव के कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

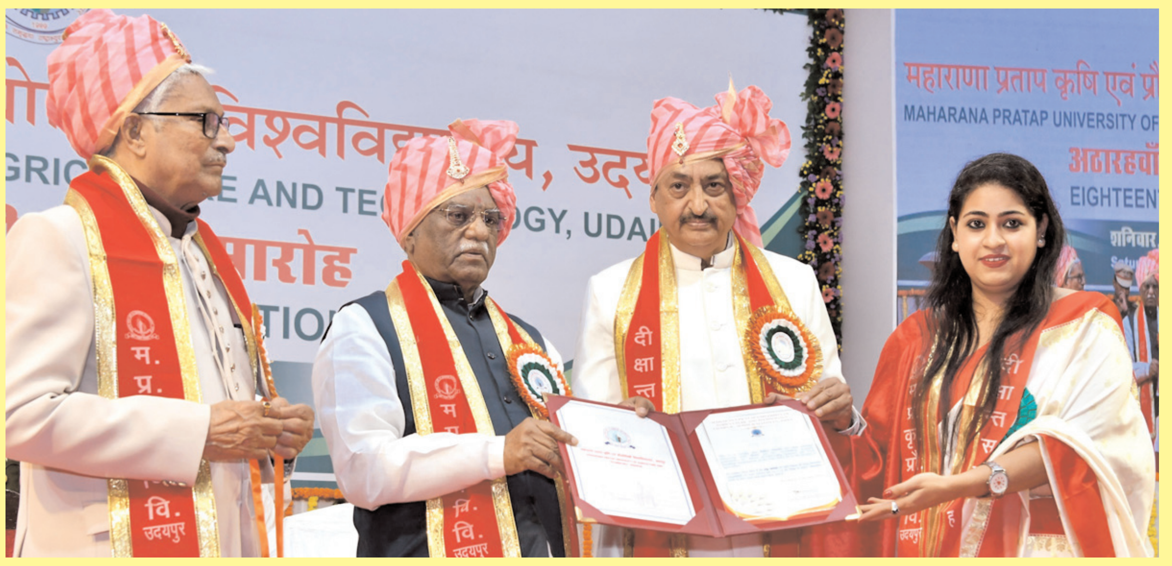

विश्वविद्यालय किसान हित में प्रौद्योगिकी का विकास कर प्राकृतिक खेती को दे बढ़ावा : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरीभाऊ किसनराव बागड़े ने भारत को ऋषि प्रधान के साथ ही कृषि प्रधान देश बताते हुए प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान कर कृषि में युवाओं को रुचि लेने पर जोर दिया हैं। बागड़े शनिवार को उदयपुर में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि का जीवन में सर्वाधिक महत्व है। किसानों द्वारा खेतों में कृषि उपज नही की जाए तो कोई भी जिंदा नहीं रह सकता है। उन्होंने भारतीय कृषि संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि आज देश में 146 करोड़ लोगों के लिए अनाज का उत्पादन होता है। अनाज उत्पादन में देश आत्मनिर्भर हो गया है। विश्वविद्यालय किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कृषि की नवीन प्रौद्योगिकी और शोध के जरिए उनके सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करें।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को समय-समय पर नष्ट करने के लिए विदेशी आक्रांताओं द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते रहे है लेकिन हमारी संस्कृति जीवंत और जीवट है। इसे मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने अतीत के बहुत सारे संदर्भों की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति में कुल गुरु की परंपरा आरंभ से रही है। इस परंपरा की अंग्रेजों ने भी बहुत अधिक सराहना की और कहा भी की जितने स्कूल भारत में है उतने ब्रिटेन में भी नहीं है।

बागड़े ने संस्कृति और विज्ञान में भारत के समृद्ध अतीत की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के बारे में कॉपरनिकस ने 1530 में बताया जबकि हमारे ऋग्वेद और यजुर्वेद में आरंभ से ही गुरुत्वाकर्षण के बारे में बहुत सारा ज्ञान दिया हुआ है। यह वेद ग्रंथ 6500 साल पहले से लिखे हुए हैं । राज्यपाल ने कहा कि किसी भी देश को खत्म करने के लिए बम की जरूरत नहीं पड़ती। किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी शिक्षा व्यवस्था को बिगाड़ दिया जाना ही पर्याप्त है। अंग्रेजों ने भारत के साथ यही किया।

आजादी के बाद पहली बार देश में नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा और कृषि के महत्व को फिर से स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने प्राकृतिक खेती के विकास के जरिए देश को विकास की राह पर ले जाए जाने पर जोर दिया।

बागड़े ने रासायनिक खेती से होने वाले नुकसान की चर्चा करते हुए कहा कि इससे धरती की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है। बहुत सारे रोग होते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आह्वान करते हुए कृषि में युवाओं को रुचि लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पानी की बचत ही उसका निर्माण है। उन्होंने आम जन को पानी के अपव्यय रोके जाने पर जोर देते हुए कहा कि जल संरक्षण जरूरी है।

टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

जयपुर। जयपुर में गैस टैंकर हादसे में मरने वालों की संख्या शनिवार को बढ़कर 14 हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हादसे में घायल हुए 30 से ज्यादा लोग अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सा विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि हादसे में घायल हुए दो और लोगों की मौत हो गई तथा इसी के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई।

भांकरोटा इलाके में जयपुर-अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के एक ट्रक ने एलपीजी टैंकर को टक्कर मार दी थी, जिससे लगी आग ने 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस भीषण दुर्घटना में 12 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 35 अन्य लोग घायल हुए थे। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शुक्रवार को कहा था कि घायलों में से करीब आधे लोगों की हालत बहुत गंभीर है। हादसे में झुलसे ज्यादातर लोग यहां सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती हैं।

दीया कुमारी ने एसएमएस अस्पताल में घायलों की पूछी कुशलक्षेम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर के भांकरोटा के पास गैस टैंकर हादसे के घायलो की शनिवार को यहां कुशलक्षेम पूछी। श्रीमती दीया कुमारी ने एसएमएस अस्पताल पहुंच कर घायलों से मिली और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने चिकित्सकों को पूरी सावधानी बरतकर बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि यह बेहद दु:खद घटना है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भी घटना होने वाले स्थान पर उस समय तुरंत पहुंचे। हम सब इस घटना को लेकर बहुत चिंतित हैं।

चिकित्सकों की टीम पूरी मेहनत कर रही है। पूर्ण संवेदनशीलता से घटना में घायलों के बेहतर उपचार के लिए आवश्यक प्रयास किये जा रहें हैं। जिन घायलों की गंभीर स्थिति है उनके लिए अलग से स्थान निश्चित कर वहां विशेष आईसीयू बनाकर कर पूर्ण गहनता से उपचार किये जाने के लिए कहा गया है। इसके लिए भी चिकित्सक प्रयास करेंगे। सरकार इस घटना के पीड़ितों की सहायता के लिए अपना पूरा प्रयास कर रही है।

पायलट ने अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ितों की कुशलक्षेम जानी

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने शनिवार को यहां सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती टैंकर हादसे के पीड़ितों से मुलाकात की और घटना की विस्तृत जांच की मांग की। भांकरोटा इलाके में जयपुर अजमेर राजमार्ग पर शुक्रवार हो हुए गैस टैंकर हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई जबकि 27 अन्य का अभी इलाज जारी है। हादसे में 35 से ज्यादा वाहन जल गए थे। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पायलट ने संवाददाताओं से कहा, यह दुखद व भयानक हादसा था। जिन लोगों की मौत हुई हैं उनके परिजनों को हम सांत्वना देते हैं। एसएमएस अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा घायलों को बेहतरीन चिकित्सा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा, हमें पूरी घटना और उसके कारणों की जांच अवश्य करनी चाहिए। किन कारणों से इतना बड़ा हादसा हुआ...? उन्होंने कहा कि आबादी व यातायात के साधन बढ़ने के साथ पूरे देश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं ।

प्रदर्शन

जयपुर में शनिवार को जयपुर में राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान राजस्थान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

राजस्थान के अनेक इलाकों में घना कोहरा

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। शनिवार सुबह राज्य के कई इलाकों में घना तथा अति घना कोहरा छाया रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 4.2 डिग्री, सीकर में 5.0 डिग्री, पिलानी में 5.4 डिग्री, गंगानगर 6.1 डिग्री, नागौर व चुरू में 6.7 डिग्री दर्ज किया गया।

जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23-24 दिसंबर को राज्य के उत्तरी व पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने व आंशिक बादल छाए रहने का अनुमान है। वहीं एक और पश्चिमी विक्षोभ के 26-27 दिसंबर के दौरान राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कुछ भागों में गरज के साथ हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

राज्यपाल ने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को उदयपुर में राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित नवानिया महाविद्यालय में अतिथि गृह, चारदीवारी और महाविद्यालय परिसर के शिव मंदिर से जोरजी का खेड़ा तक सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रकाशन 'फुटप्रिंट' का भी लोकार्पण किया। बागड़े ने कहा कि पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान के शिक्षा में राजस्थान को देशभर में अग्रणी करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पशुपक्षियों की समुचित देखभाल के साथ उनके पोषण की बेहतर व्यवस्था, उनसे उत्पादित वस्तुओं के प्रभावी विपणन की प्रभावी व्यवस्था हेतु विश्वविद्यालय कार्य करे।

उन्होंने कहा कि गांवों में अभी भी पशुपालन और कृषि ही मुख्य आजीविका है। पशुपालकों को पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही पशुधन संरक्षण के लिए आधुनिक दृष्टि से जुड़ी शिक्षा का प्रसार सभी स्तरों पर होना चाहिए।

राज्यपाल ने पशुपालन से जुड़ी भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि हमारे यहां वैदिक काल से ही पशुधन संरक्षण के साथ उनके उत्पादन से अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की सोच रही है। परम्परागत ज्ञान से प्रेरणा लेकर पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान क्षेत्र में हमें आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में वेटनरी शिक्षा के प्रभावी प्रसार की भी आवश्यकता जताई।

महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी ताकत व क्षमता का प्रदर्शन कर रहीं : पारीक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में संयुक्त सचिव डा. प्रतिभा पारीक ने कहा है कि महिला सशक्तीकरण की शुरुआत घर से होती है, जब लिंग भेद समाप्त हो जाता है, तो महिलाएं समाज में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ सकती हैं। डा. पारीक ने शनिवार को कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के तहत राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा एवं बागवानी महाविद्यालय, दुर्गापुरा, जयपुर में एक दिवसीय महिला सशक्तीकरण पर आयोजित सेमिनार में कहा कि वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी ताकत और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। वे हर चुनौती का सामना करते हुए नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

सेमिनार में कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा कि विकसित भारत की हर गतिविधि में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

महिलाओं का योगदान खाद्य, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में पुरुषों से अधिक है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता, मानवीय मूल्य और नैतिकता जैसी कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, जिनका महिलाएं अब भी सामना कर रही हैं। महिलाओं को विविध अनुभव प्राप्त करने चाहिए, छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थानों में भाग लेने को प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे उनके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और संचार-कौशल में सुधार होगा, जो उनके भविष्य में प्रगति के लिए मददगार साबित होंगे। डॉ बी एल सारस्वत ने नारी को देवी का रूप बताते हुए कहा कि महिलाएं जल संचयन और संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाएं पारंपरिक जल प्रबंधन तकनीकों का उपयोग करके जल संचयन में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। जल संरक्षण के माध्यम से महिला सशक्तीकरण एक महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन ला रहा है। यह न केवल जल संकट से निपटने में मदद कर रहा है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान कर रहा है।

अधिष्ठाता डॉ एल एन बैरवा ने कहा कि महिलाओं की स्थिति में हाल के वर्षों में बड़े बदलाव आए हैं। अब महिलाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जिससे समाज में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। अंत में निदेशक कल्याण छात्र संघ डॉ के सी शर्मा ने अमृता देवी बिश्नोई, सावित्री बाई फुले, गीता फौगाट और बबीता फोगाट के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि एक देश ने निर्माण में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डॉ भारती शौकीन ने बताया कि इस सेमिनार के दौरान नृत्य, पोस्टर प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक एवं 'नारी को दो सम्मान, तभी बनेगा देश महान' 'जब नारी होगी शिक्षित, तभी होगा देश विकसित' जैसे उद्घोषों के साथ रैली का आयोजन किया। सेमिनार में डॉ के सी गुप्ता, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ राकेश समोरिया, डॉ रानी सक्सेना, डॉ अनीता चौधरी,डॉ अशोक चौधरी, डॉ भारती शौकीन, , डॉ एच पी परेवा, डॉ विजय पाराशर, डॉ वेदप्रकाश यादव, डॉ सौरभ सिंगला दुर्गापुरा सहित 13 संबद्ध महाविद्यालयों के कुल 937 छात्र छात्राएं हाइब्रिड मोड से जुड़े।

परिवहन विभाग के उडनदस्ते यातायात नियमों के उल्लंघन पर करें सख्त कार्रवाई : भजनलाल

जयपुर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणाओं से संबंधित भू-आवंटन के शेष प्रकरणों का त्वरित निष्पादन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 31 दिसम्बर, 2024 तक की अवधि में प्रकरणों के भूमि चिन्हीकरण, चिन्हित भूमि के प्रस्ताव संबंधित विभाग को भिजवाने एवं भूमि आवंटन की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इन कार्यों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से जिला कलक्टर्स के साथ आयोजित बैठक में लंबित भू-आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बजट घोषणा की अनुपालना में स्पोर्ट्स कॉलेज, रोड़वेज बस स्टैण्ड, जीएसएस एवं ठोस कचरा प्रबंधन के लिए प्रोसेसिंग प्लांट एवं मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर, औद्योगिक पार्क इत्यादि विकास कार्यों के लिए भू-आवंटन के प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

...जयपुर हादसे का वो खौफनाक मंजर हमें ताउम्र डराता रहेगा : प्रत्यक्षदर्शी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर के निकट शुक्रवार को हुये भीषण टैंकर हादसे में चमत्कारिक ढंग से बच निकले युवकों का कहना है कि लोगों की चीख पुकार एवं आग की लपटों को वे कभी भूल नहीं सकते हैं और उनलोगों को हादसे का वो खौफनाक मंजर ताउम्र डराता रहेगा।

टैंकर हादसे के बाद जो स्लीपर बस शुक्रवार को जल कर खाक हो गयी, उसमें राजसमंद का रहने वाला जगदीश रेगर (30) और सुनील खटीक (28) भी यात्रा कर रहे थे जो बस में आग लगने से ठीक पहले किसी प्रकार बाहर निकलने में सफल रहे।

दोनों युवकों का कहना है कि लोगों की चीख पुकार एवं आग की लपटों को वे कभी भूल नहीं सकते हैं । उन्होंने कहा कि हादसे का वो खौफनाक मंजर उन्हें ताउम्र डराता रहेगा। राजसमंद जिले के मोही निवासी जगदीश उस पल को याद करते हैं जब एक तेज विस्फोट ने रात के सन्नाटे को तोड़ दिया। उन्होंने बताया, 'हम जयपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर थे कि एक तेज धमाके की आवाज सुनी। आग की लपटें आसमान में उठ रही थीं और कुछ ही पलों में हमारी बस भी उस आग की चपेट में आ गई।

उन्होंने कहा, 'लोग चीख रहे थे, और भाग निकलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दरवाजा बंद था। पूरी तरह अराजकता एवं दहशत का माहौल था। राजसमंद के कांकरोली के भवानीनगर में रहने वाले सुनील ने कहा, आग बहुत तेज़ी से फैली। हमने खिड़की से बाहर देखा और चारों तरफ आग की लपटें देखीं। हमारी बस भट्टी में तब्दील हो रही थी। हमें पता था कि अगर हमें बचना है तो हमें तुरंत कुछ करना होगा।' इसके बाद उन दोनों दोस्तों ने ग्रिल तोड़ दी, और खिड़की का शीशा भी तोड़ दिया।

जगदीश ने कहा, हमारे हाथ जल रहे थे, लेकिन हम रुके नहीं। हम बस से बाहर कूद और भागते चले गए। दूर जाकर खेत में रुके। दरअसल एलपीजी गैस से भरे टैंकर में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टैंकर से रिसी गैस ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया।

इसने हाइवे के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया और हाइवे के दोनों और चल रहे वाहन इसकी चपेट में आ गए। सुनील ने बताया कि जो लोग इन वाहनों से निकल पाए उन्होंने पास के खेतों में शरण ली। उन्होंने कहा, हम वहां खड़े होकर खौफनाक मंजर को देख रहे थे। हमारे सामने ही कई लोग बचने के लिए भाग रहे थे, उनके कपड़े जल रहे थे। कुछ वाहनों के कंकाल ही बचे थे। यह खौफनाक मंजर हमें ताउम्र डराता रहेगा।'

बैठक

जैसलमेर में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक की अध्यक्षता की।

यह समझ से परे है कि कुछ राज्यों में एनईपी लागू नहीं हुई : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि यह ''समझ से परे'' है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को कुछ राज्यों में अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने एनईपी लागू करने के लिए उन राज्यों पर शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और मीडिया द्वारा पर्याप्त ''दबाव'' नहीं बनाए जाने पर अफसोस जताया।

धनखड़ ने कहा कि अब समय आ गया है कि लोग पक्षपातपूर्ण सोच को पीछे छोड़ दें और देश के हितों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कुछ राज्य सरकारों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का विरोध किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, राष्ट्रवाद और राष्ट्र प्रथम का सिद्धांत हमेशा हमारा मार्गदर्शन करे।

उपराष्ट्रपति ने यहां पंजाब विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता और स्थिरता के लिए सहयोग को बढ़ावा देना विषय पर आयोजित पांचवें वैश्विक पूर्व छात्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं दो बातों से दुखी और परेशान हूं -- एक, कुछ राज्यों ने इसे नहीं अपनाया है। मुझे यकीन है कि यह किसी भी तर्कसंगत आधार पर समझ से परे है। ऐसा कैसे हो सकता है? और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि शिक्षाविद, बुद्धिजीवी, पत्रकारिता के लोग दबाव नहीं बनाते।

उपराष्ट्रपति ने कहा,हम राष्ट्रवाद या विकास की कीमत पर राजनीति करने का जोखिम नहीं उठा सकते।

शैक्षिक 'इकोसिस्टम' को मजबूत करने में पूर्व छात्र नेटवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यदि यह राष्ट्रीय संस्कृति बन जाती है, तो यह हमारी शिक्षा को परिभाषित करेगी और वास्तव में हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अत्याधुनिक बनाएगी।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देशों की पहचान वहां स्थापित संस्थाओं से होती है। उन्होंने कहा कि जो देश अनुसंधान में आगे हैं और अनुसंधान को बढ़ावा देते हैं, वे देश विश्व में अग्रणी बनकर उभरते हैं।

धनखड़ ने कहा कि पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रधानमंत्री, कैबिनेट मंत्री, कैबिनेट सचिव, सशस्त्र बलों में प्रतिष्ठित पदों, पत्रकारिता, कला, संस्कृति, खेल में प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हुए हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, जरा कल्पना कीजिए कि अगर पूर्व छात्र संगठित तरीके से काम करें तो वे अपने विश्वविद्यालय को कितना बढ़ावा दे सकते हैं।

पूर्वोत्तर में पुलिस के दृष्टिकोण में बदलाव का समय आ गया है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद समाप्त होने के साथ ही पुलिस बल के दृष्टिकोण में बदलाव का समय आ गया है ताकि लोगों के लिए त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

शाह ने यहां पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के 72वें पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्ष में 20 शांति समझौतों पर हस्ताक्षर करके क्षेत्र में शांति स्थापित की, जिसके परिणामस्वरूप 9,000 सशस्त्र उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा, पुलिस ने पिछले चार दशक तक पूर्वोत्तर में उग्रवाद से लड़ाई लड़ी है। अब उग्रवाद समाप्त हो चुका है, तो हमें पुलिस बल के दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है ताकि लोगों को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर न्याय मिल सके।

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल संपर्क के लिए 81,000 करोड़ रुपए और सड़क नेटवर्क के लिए 41,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पूर्वोत्तर में विकास गतिविधियों में तेजी लाए जाने का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग के सत्ता में आने के बाद से केंद्रीय मंत्रियों ने इस क्षेत्र के राज्यों में ''700 रातें बिताई हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने सब्जी की खेती, दूध, अंडे और मांस के उत्पादन को बढ़ावा देकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के उत्थान पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, केवल जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) में बढ़ोतरी समग्र विकास के लिए पर्याप्त नहीं है। सब्जियों, दूध, अंडे और मांस में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत है।

शाह ने कहा कि इसके अलावा, केंद्र सरकार इस क्षेत्र में जैविक खेती पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा, केंद्र ने इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पहले ही राष्ट्रीय जैविक निगम लिमिटेड (एनओसीएल) का गठन किया है। मैं (पूर्वोत्तर के) सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वे जैविक उत्पादों की पैकेजिंग, विपणन और निर्यात के लिए एनओसीएल के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करें।

रेल मंत्रालय ने कहा,

भूमि अधिग्रहण बाधाओं के चलते बंगाल की परियोजनाओं में देरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। रेल मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम बंगाल में कई रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में महत्वपूर्ण देरी हुई है, जिसका मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में चुनौतियां हैं।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि वित्त पोषण में पर्याप्त वृद्धि हुई है और आवंटन 2009-14 के दौरान 4,380 करोड़ रुपए से तीन गुना बढ़कर 2024-25 में 13,941 करोड़ रुपए हो गया है। इसके बावजूद परियोजनाओं में देरी हो रही है।

बयान के मुताबिक एक अप्रैल, 2024 तक पश्चिम बंगाल में 43 रेलवे परियोजनाएं चालू थीं, जिनकी कुल लंबाई 4,479 किलोमीटर है और लागत 60,168 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं पूरी या आंशिक रूप से पश्चिम बंगाल में हैं और पूर्वी रेलवे, दक्षिण पूर्वी रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत आती हैं। इन परियोजनाओं में नई लाइन बिछाने और आधुनिकीकरण का काम शामिल है।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें से 1,655 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है और इस पर मार्च 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय हुआ।

मंत्रालय ने कहा कि अधिग्रहण एक बड़ी बाधा है, क्योंकि कुल 3,040 हेक्टेयर की आवश्यकता में केवल 640 हेक्टेयर (21 प्रतिशत) का अधिग्रहण किया गया है। रेलवे राज्य सरकारों के माध्यम से अपनी परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण करता है।

मिजोरम के 118 गांव वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से नहीं जुड़े : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने शनिवार को कहा कि राज्य में दूरदराज के 118 गांव अभी भी वर्षभर आवाजाही लायक सड़कों से वंचित हैं। उन्होंने इन दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए केंद्र से अधिक सहायता की आवश्यकता पर बल दिया।

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कंभमपति ने कहा कि इन गांवों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत परियोजनाएं सीमित हैं क्योंकि यहां बस्तियां कम हैं, जिससे और अधिक सहायता की आवश्यकता है। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री और एनईसी के अध्यक्ष अमित शाह ने की। कंभमपति ने क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की पहल की सराहना की।

निवेश आकर्षित करने के लिए मिजोरम की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, राज्य ने एक अंतर-विभागीय निवेश संवर्धन प्रकोष्ठ (आईपीसी) स्थापित किया है जो वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य तथा कौशल विकास क्षेत्रों में निवेशकों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और एनईसी से आग्रह किया कि वे ''राज्य में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मिजोरम में एक अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र स्थापित करें।

अरुणाचल प्रदेश ने गरीबी कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है : राज्यपाल

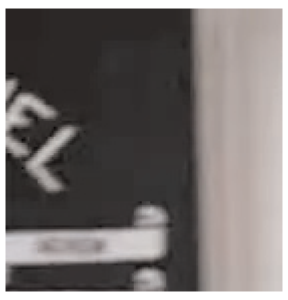

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के टी परनाइक ने शनिवार को कहा कि राज्य ने बहु आयामी गरीबी को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य ने वित्त वर्ष 2015-16 से सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 166 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। उन्होंने अगरतला में उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) की 72वीं पूर्ण बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोग इस बात पर गर्व महसूस करते हैं कि राज्य 2023-2024 के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले 'अग्रणी राज्यों' में से एक है।

राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, परनाइक ने कहा कि राज्य में शिक्षा के मानकों का उन्नयन करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं, जिसमें आंगनवाड़ियों को मजबूत करना, सरकारी विद्यालयों को उन्नत बनाना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करना, स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी का उपयोग करना और जिलों में 'उन्नत शिक्षण केंद्र' स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश भारत के सबसे महत्वाकांक्षी राज्यों में से एक है, जहां हमेशा से ही हमारी युवा आबादी के विकास, वृद्धि और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार का ज्यादातर ध्यान पर्यटन पर है, जिसमें पर्यटन स्थलों में बुनियादी ढांचे का निर्माण, युवाओं को गाइड और टूर ऑपरेटर के रूप में कौशल प्रदान करना तथा विपणन शामिल है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में पर्यावरण, धार्मिक और पर्यटन को विकसित करने की व्यापक गुंजाइश है।

परनाइक ने कहा, प्रदेश में 'अरुणाचल प्रदेश इनोवेशन एंड इन्वेस्टमेंट पार्क' (एपीआईआईपी) के साथ एक गतिशील स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र फल-फूल रहा है, जो निवेश, स्टार्टअप विकास और व्यापार करने में आसानी को सक्रिय रूप से समर्थन दे रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य की 'उन्नति' योजना हमारी औद्योगिक क्षमता को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है, जबकि गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वित्तीय समावेशन एक चुनौती बनी हुई है।

नेहरू थे आरक्षण विरोधी, विपक्ष के पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं : मांझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ''आरक्षण विरोधी'' थे और विपक्ष गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बीआर आंबेडकर का अपमान किए जाने का दावा इसलिए कर रहा है क्योंकि उसके पास उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री और राजग के प्रमुख घटक हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता ने यह टिप्पणी तब की जब उनसे विपक्ष के इस दावे के बारे में पूछा गया कि शाह ने राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान आंबेडकर का अपमान किया था। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, उनके (विपक्ष) पास उठाने के लिए कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे ऐसा कह रहे हैं। हमारे पास देश को राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से आगे ले जाने का एजेंडा है।

मांझी ने कहा कि शाह ने पूछा था कि कांग्रेस आंबेडकर का नाम तो लेती है लेकिन क्या वह उनका अनुसरण भी करती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार आंबेडकर सम्मान कर रही है जबकि विपक्ष के पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है, इसलिए आरोप लगाना उसकी प्रवृत्ति बन गया है।

इससे पहले, यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि देश के पहले प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ''आरक्षण विरोधी'' थे क्योंकि उनका मानना था कि इससे समाज में भेदभाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने महाराष्ट्र से दो बार चुनाव लड़ा लेकिन नेहरू ने उन्हें हराने वालों का अभिनंदन किया।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली/भाषा। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरूआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

महाकुम्भ में रंग-बिरंगी नावों पर नौका विहार कर सकेंगे श्रद्धालु

महाकुम्भ नगर/भाषा। प्रयागराज की पहचान पूरे विश्व में त्रिवेणी संगम से होती है और संगम की पहचान यहां तैरती नावों से। इस बार श्रद्धालुओं को संगम तट पर नावों की अद्भुत छटा देखने को मिलेगी और इन नावों पर खूबसूरत चित्रकारी की जा रही है।

एसडीएम (कुम्भ) अभिनव पाठक ने बताया कि महाकुम्भ 2025 को लेकर पूरे प्रयागराज और महाकुम्भ मेला क्षेत्र में निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संगम के पक्के घाटों और नावों पर भी खूबसूरत चित्रकारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि मेला प्राधिकरण पांच लाख वर्गफुट क्षेत्र में पेंटिंग और चित्रकारी का कार्य करवा रहा है। इसके अलावा, नमामि गंगे मिशन के तहत लगभग 2000 नावों पर चित्रकारी की जा रही है, ताकि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव हो।

प्रयागराज संगम में पीढ़ियों से नाव चलाने वाले नाविकों का कहना है कि कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 में पहली बार हम नाविकों की सुध ली गई है। नाविक सियाराम निषाद का कहना है, इससे पहले कुम्भ और महाकुम्भ जैसे बड़े अवसर पर केवल लाइसेंस जारी होते थे और प्रशासन नावों की सवारी का किराया तय करता था। हम नाविकों को और किसी तरह की सुविधा नहीं मिलती थी। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में इस महाकुम्भ में तो हमें लाइफ जैकेट, सुरक्षा बीमा के साथ किराए में 50 फीसदी की बढ़ोतरी का उपहार दिया गया।

एएसआई ने किया संभल के कल्कि विष्णु मंदिर में सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की एक टीम ने शनिवार को यहां 'कल्कि विष्णु' मंदिर परिसर में एक पुराने कुएं का निरीक्षण किया। इससे एक दिन पहले एएसआई ने जिले में हाल ही में खोजे गए एक मंदिर का सर्वेक्षण किया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्राचीन 'कल्कि विष्णु' मंदिर के पंडित महेंद्र प्रसाद शर्मा ने कहा कि यह अच्छी बात है कि सर्वेक्षण टीम यहां आई है।

शर्मा ने कहा, यहां एक 'कृष कूप' (कुआं) है। यह बंद नहीं है, लेकिन इसमें पानी नहीं है। इस कुएं का वर्णन स्कंद पुराण में भी है, संभल के सभी तीर्थ स्थलों का वर्णन स्कंद पुराण में है, और स्कंद पुराण के वराह खंड में भी कल्कि मंदिर का पूरा वर्णन है, यह कुआं मंदिर परिसर के अंदर ही है, यह पुरानी बाउंड्री के अंदर था।

संभल की उपजिलाधिकारी वंदना मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की एक टीम 'प्राचीन कल्कि विष्णु' मंदिर आई थी। यहां एक 'कृष्य कूप' है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह एक प्राचीन कुआं है। टीम वहां करीब 15 मिनट तक रुकी और उन्होंने मंदिर का भी दौरा किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार का घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एएसआई की चार सदस्यीय टीम द्वारा हाल ही में खोजे गए श्री कार्तिक महादेव मंदिर, पांच 'तीर्थ' (तीर्थ स्थल) और 19 'कूपों' (कुओं) का सर्वेक्षण करने के एक दिन बाद हुआ है।

हेड अपने जीवन की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, उन्हें रोकना मुश्किल : शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/भाषा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री का मानना है कि 'शॉर्ट बॉल' को जल्दी परखने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला में शानदार सफलता दिलाई है और साथ ही उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मेहमान टीम इस 'सरदर्द' के लिए दवा ढूंढना चाहेगी।

श्रृंखला की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) समीक्षा में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि वह (हेड) बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था लेकिन अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह 'शॉर्ट बॉल' को खेलते हैं। वह इसे छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कई बार इसे अच्छी तरह छोड़ना भी सीख लिया है।

पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि गेंद की 'लाइन एवं लेंथ' को जल्दी से परखने की क्षमता हेड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है।

शास्त्री ने कहा, ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं। और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्क्वायर के सामने भी मारते हैं।

इस भारतीय दिग्गज ने यह भी कहा कि जब हेड लय में होते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल होता है।

शास्त्री ने कहा, वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। और वह अपनी जिंदगी की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि भारत ट्रेविस नामक 'सरदर्द' के लिए मरहम की तलाश कर रहा है।

शास्त्री ने कहा, उनका नया उपनाम ट्रेविस 'हेड''एक' (इंग्लिश में सरदर्द) है। उन्होंने कहा, वे भारत में उनके लिए मरहम की तलाश कर रहे हैं। पैर की समस्याओं, टखने की समस्याओं (और) यहां तक कि सरदर्द के लिए वे मरहम की तलाश कर रहे हैं। वह इसके लिए आदर्श है।

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज को परेशान किया है लेकिन हेड इसके अपवाद रहे हैं जिन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों का बिना किसी परेशानी का सामना किया है।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने शनिवार को यहां विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है।

अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था।

सुविचार

कभी-कभी बहुत छोटे-छोटे निर्णय ही हमारे जीवन को हमेशा के लिए बदल देते है।

ट्वीट

आज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में अजमेर रोड पर हुई हृदय विदारक दुर्घटना में घायल हुए लोगों के परिजनों से मुलाकात कर मरीजों का कुशलक्षेम पूछा तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

-दीया कुमारी

नीमराना प्रवास के दौरान रीको औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों के साथ बैठक ली। इस अवसर पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अनुसरण में औद्योगिक विकासके विषय में विस्तृत चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

गोविंद उपाध्याय

बेटा

जब से फोन आया था। उसका मन काफी बेचैन था। हालाँकि पत्नी इस समाचार के बाद से ही बेहद उत्साहित थी। पत्नी ने अपनी डोलची तैयार करना शुरू कर दिया था। वह पत्नी की तरफ देखने लगा। उसके साँवले चेहरे पर इस समय गजब की चमक थी। माथे और गालों पर उग आयी झुर्रियाँ उम्र के तीसरे पड़ाव की तरफ इशारा कर रही थी। उसका ध्यान बार-बार फोन की तरफ जा रहा था। अभी घंटी बजेगी और वो दोनों चल देंगे। आरुषी रसोई में उनके लिए नाश्ता बनाने में व्यस्त थी। रोज की तरह सुबह उठकर वह अखबार के साथ चाय की चुस्कियाँ ले रहा था कि तभी शांतनु का फोन आया - पापाजी मानुषी आधी रात के बाद से ही तकलीफ में है। डाक्टर साहिबा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि घबराने की बात नहीं है। आपका केस बिल्कुल नारमल है। सुबह बताती हूँ कि किस नर्सिंग होम में भर्ती कराना है। आप टेंशन न लें शुरुआत में ऐसा ही होता है...।

उसके बाद से ही मन में घबराहट होने लगी थी और वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाया। अब बस उसे शांतनु के फोन का इंतजार था कि डाक्टर साहिबा किस नर्सिंग होम को रिकमंड कर रही हैं।

मानुषी के शादी का यह दूसरा वर्ष था। वह छब्बीस साल की होने वाली थी। बस बारह दिन शेष बचा था उसके जन्म दिन का। उसे मानुषी के विवाह के लिए बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा था। सिर्फ तीन जगह उसके रिश्ते की बात चली थी। दो जगह तो शुरुआती दौर की औपचारिकताओं के बाद ही बात खत्म हो गई थी। तीसरी जगह रिश्ता पक्का हो गया। शांतनु एम.टेक. के बाद मल्टीनेशनल में इंजीनियर थे। सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सेलरी पैकेज भी अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह थी कि वह निहायत विनम्र और सभी प्रकार व्यसनों से दूर थे। शायद यही कारण था कि उसने अपने हैसियत से ज्यादा खर्च कर दिया था। जो लड़के वालों की माँग थी, उसके अतिरिक्त भी उसने बहुत कुछ दिया...। इसके बावजूद जैसा कि होता है... लड़के वालों को हमेशा कम ही लगता है। मानुषी की सास को भी शिकायत रहती कि इस शादी में उनके आशा के अनुरूप दान-दहेज नहीं मिल पाया। शुरू में मानुषी जब भी उसे बताती, विचलित हो जाता...। उसके ऊपर तीन लाख का कर्ज था। कुछ अपने विभाग से ले रखा था और कुछ इष्ट-मित्रों से। जिसे चुकाने की चिंता हमेशा बनी रहती। कमाई का एक बड़ा हिस्सा उसी में निकल जाता। बेटी के लिए कुछ न कर पाने का अपराध-बोध भी था। शांतनु भी कहीं न कहीं अपने परिवार के साथ खड़े दिखाई देते थे।

मानुषी से तीन साल छोटी आरुषी थी। वह अभी उसके विवाह के बारे में तो कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं था। मानुषी जब पैदा हुई थी, उसके कुछ दिनों पहले ही उसे नौकरी मिली थी। ऐसे में अम्मा ने उसके पैदा होने पर उत्साह ही दिखाया था - 'लक्ष्मी है भाई, आने के पहले पिता को सरकारी नौकरी मिल गई। बेचारा कितना परेशान रहता था। छोटी-मोटी नौकरी मिलती भी तो मेहनत ज्यादा थी और पैसा कम...। पहला फल है। क्या बेटा...? क्या बेटी...?'

मानुषी रुई के फाहे की तरह थी। गोद में उठाते समय उसके भीतर पिता होने का एक अजीब उल्लास था। वह अपनी छोटी आँखों से उसकी तरफ ताक रही थी और वह उल्लास से भरा हुआ था। उसने पत्नी की तरफ देखा। माँ बनने के गौरव उसके चेहरा भी चमक उठा था।

लेकिन आरुषी के पैदा होने पर सब कुछ विपरीत हो गया था। अम्मा की आँखों में आँसू आ गए थे - 'किस तरह मैं तीन बेटियों की शादी निपटाई हूँ, मेरी आत्मा जानती है। एक तो पहले से ही थी अब फिर लड़की...?'

पत्नी ने भी बहुत कातर नजरों से देखा था उसे। जैसे उससे कोई बड़ा गुनाह हो गया हो। उसके सूखे और पपड़िआए होंठ काँप रहे थे। पत्नी ने उसका हाथ जोर से पकड़ा था। पत्नी उससे सांत्वना चाहती थी। वह मुस्कराने की कोशिश किया - 'क्या फर्क पड़ता है? जमाना बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' उसकी बातों को सुनने के बावजूद भी पत्नी की आँखों में संदेह था कि वह यह बाते सिर्फ उसका दिल रखने क लिए कह रहा है... क्योंकि हम दोनों ही बेटे की कामना कर रहे थे।

आरुषी माँ की तरह साँवली थी पर उसके नाक नक्श मानुषी से ज्यादा सुंदर थे। लेकिन इतने सालों बाद भी कुछ नहीं बदला था। सभी कुछ यथावत था। मानुषी की शादी के बाद से तो वह काफी तनाव में आ गया था। जो लोग देखने में बहुत सीधे और सरल लगते थे। अचानक उनके चेहरों से नकाब उतरने लगे। शुरुआती छह महीनों में मानुषी जो भी बताती वह सब उसने किस्से-कहानी में ही पढ़ा था। वह घबरा जाता। आए दिन अखबारों में छपने वाली दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना की खबरें उसे और विचलित करती। पत्नी सांत्वना देती - 'आप बिना मतलब ही इतना घबरा जाते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। सामान्य लोग हैं। जितना मिल सकता है लड़की वालों से ले लो की सोच तो हमारे समाज में है ही...। आपकी लड़की को इसके लिए कोई शारीरिक यातना तो देते नहीं है। बस जुबान से उलाहना ही तो देते हैं। यह तो हर लड़के वाले करते हैं। कुछ दिन चलेगा, फिए सब कुछ सामान्य हो जाएगा। क्या आप की माता जी मुझसे नहीं बोलती थी? तब मोबाइल और फोन तो था नहीं जरा-जरा सी बात मायके तक पहुँती। अब तो दाल के तड़के में क्या-क्या डाला है उसकी खबर भी मायके में तड़के को दाल में डालने से पहले पहुँचाने का प्रचलन है। यह सब बहुत सामान्य बातें हैं। आप लड़की के बाप हैं। धैर्य रखना सीखिए...।'

मानुषी शुरू से इस शादी का विरोध कर रही थी। हालाँकि इसके पीछे कोई ठोस आधार नहीं था। तब उसे लगा था कि हर लड़की पिता की सरपरस्ती से निकलने पर ऐसा करती है। लेकिन जब मानुषी के फोन आते तो वह स्वयं को अपराधी महसूस करता। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य होने लगा था। शांतनु का ट्रांसफर इसी शहर में हो गया था। बेटी के पास आ जाने पर उसे थोड़ा सुकून मिला। शहर एक होने के बावजूद भी वो शांतनु से बीस किलोमीटर की दूरी पर था। बीच में ट्रैफिक और शहर की खस्ता हालत सड़कें इस दूरी को और कष्टमय बना देती।

इसके बावजूद लगभग हर छुट्टी अब मानुषी उनके साथ बिताती। वह उम्मीद से थी। शांतनु के लिए यह शहर अपरचित था। इसलिए उसका झुकाव भी उसकी तरफ होने लगा था। मानुषी भी अब आजाद थी। यहाँ संयुक्त परिवार की पाबंदियाँ नहीं थी। अब वह मानुषी की तरफ से चिंता मुक्त हो गया था। वह स्वस्थ और प्रफुल्लित नजर आती। शांतनु उसका पूरा ख्याल रखता। डाक्टर से समय-समय से चेकअप कराना। दवाइयों और खाने-पीने पर ध्यान रखना। परिवार के हर सदस्य को नए मेहमान का बेसब्री से इंतजार था।

सभी चाहते थे कि बेटा ही पैदा हो। मानुषी कहती - 'मम्मी यदि लड़का हो गया तो मुझे दुबारा इस झंझट में नहीं पड़ना होगा। और यदि लड़की हुई तो पुत्र की लालसा में एक बार फिर मुझे यह बोझ उठाना पड़ेगा। वैसे भी मेरे परिवार में लड़कियाँ बहुत है।'

शांतनु इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। हाँ! उनके परिवार के अन्य लोगों की अपेक्षा जरूर थी कि मानुषी को बेटा हो। शायद उसकी भी यही इच्छा थी।

पिछले दो महीने में मानुषी से जब मिलता वह दयनीय सी दिखती। उसे उठने बैठने में भी दिक्कत होने लगी थी। वह ईश्वर से प्रार्थना करता कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाए। शायद यही कारण था कि जब से शांतनु ने फोन किया था, उसका दिल अंदर ही अंदर घबड़ा रहा था। मानुषी की सास भी दो सप्ताह पहले उसकी देख-भाल के लिए आ गई थी।

पत्नी पास ही सोफे पर आ कर बैठ गई थी। उसे देखकर मुस्कराई - 'अब तो आप नाना बनने वाले हैं। फिर काहे इतना उदास बैठे हैं?'

वह कुछ कहने के लिए मुँह खोलता इसके पहले ही मोबाइल बजने लगा। शांतनु का ही फोन था - 'पापा जी... अहिल्या नर्सिंग होम में हैं हम लोग। सब ठीक है...। घबराने वाली कोई बात नहीं है। नार्मल डिलवरी संभव है...।'

वह पत्नी को पूरी बात बताया और घर से बाहर निकल पड़ा। घबड़ाहट और बढ़ गई थी। मोटरसाइकिल चलाने का साहस नहीं हुआ। आरुषी ने भी मना किया। वह पत्नी के साथ कुछ कदम दूर आटो स्टैंड की तरफ चल दिया।

पत्नी शांत थी। वह हमेशा सकारात्मक सोचती है। शायद इस समय भी ऐसा ही सोच रही थी। वह पिछले तीन महीने से आने वाले मेहमान के बारे में सोच-सोच कर प्रफुल्लित होती रही थी। उसके पैर के पास ही डोलची रखी हुई थी। उसमें क्या है? वह नहीं जानता। न ही जानने की कोशिश की थी।

अचानक आटो रुक गया। वह बाहर सड़क की तरफ देख रहा था। रेलवे क्रासिंग था। कोई ट्रेन आने वाली थी। दोनों तरफ जाम लगा था। यह जून का दूसरा सप्ताह था। दस बजने वाले थे। हवा गरम होने लगी थी। उसने शांतनु का मोबाइल लगाया। मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। उसने कई प्रयास किए किंतु सफलता नहीं मिली। अब वह भुनभुना रहा था। पत्नी ने उसका हाथ दबा कर सांत्वना देने का प्रयास किया।

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा। आदमी ने रजिस्टर में उसका नाम दर्ज किया और हस्ताक्षर के लिए रजिस्टर सामने बढ़ा दिया।

नीचे हाल में शांतनु मिल गए। वह किसी से मोबाइल पर बात करने में व्यस्त थे। उसे देखते ही वह फौरन बात करना बंद करके पास आ गए - 'आइए पापा जी... बधाई हो... आप नाना बन गए। बस अभी उन्हें रूम में शिफ्ट करवा कर आ रहा हूँ।' 'सब ठीक तो है न...। मानुषी कैसी है और बच्चा...?' 'हाँ... हाँ... सब ठीक है। आइए...।' वह शांतनु के साथ हो लिया। पत्नी उसके पीछे थी। उसकी डोलची अब शांतनु के हाथ में थी। इमारत बाहर से देखने में जितनी अधूरी दिखाई दे रही। अंदर से उतनी बुरी नहीं थी। एक प्राइवेट रूम के सामने शांतनु रुक गए। उन्होंने दरवाजे को धक्का दिया और मानुषी मेरे सामने थी। उसके बगल में ही रुई के फाहे जैसी छोटी सी जान इस दुनिया को टुकुर-टुकर देख रहा। मैं उसे छूना चाहता था। अचानक याद आया - 'क्या है? बेटा या बेटी...?'

शांतनु धीरे से बोलें - 'बेटी...' कमरे में कुछ देर के लिए खामोशी छा गई। उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा - 'अरे पापा जी समय बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।' मुझे यह शब्द बेहद जाने-पहचाने से लग रहे थे।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

▪ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

गुरुत्वाकर्षण

आदमी मिट्टी के घर में रहता था, खेती करता था। अनाज खुद उगाता, शाक-भाजी उगाता, पेड़-पौधे लगाता। कुआँ खोदता, कुएँ की गाद खुद निकालता। गाय-बैल पालता, हल जोता करता, बैल को अपने बच्चों-सा प्यार देता। घास काटकर लाता, गाय को खिलाता, गाय का दूध खुद निकालता, गाय को माँ-सा मान देता। माटी की खूबियाँ समझता, माटी से अपना घर खुद बनाता-बाँधता। सूरज उगने से लेकर सूरज डूबने तक प्रकृति के अनुरूप आदमी की चर्या चलती।

आदमी प्रकृति से जुड़ा था। सृष्टि के हर जीव की तरह अपना हर क्रिया-कलाप खुद करता। उसके रोम-रोम में प्रकृति अंतर्निहित थी। वह फूल, खुशबू, काँटे, पत्ते, चूहे, बिच्छू, साँप, गर्मी, सर्दी, बारिश सबसे परिचित था, सबसे सीधे रू-ब-रू होता । प्राणियों के सह अस्तित्व का उसे भान था। साथ ही वह साहसी था, ज़रूरत पड़ने पर हिंसक प्राणियों से दो-दो हाथ भी करता।

उसने उस जमाने में अंकुर का उगना, धरती से बाहर आना देखा था और स्त्रियों का जापा, गर्भस्थ शिशु का जन्म उसी प्राकृतिक सहजता से होता था। आदमी ने चरण उटाए। वह फ्लैटों में रहने लगा। फ्लैट यानी न ज़मीन पर रहा न आसमान का हो सका। अब आदमियों की बड़ी आबादी एक बीज भी उगाना नहीं जानती। प्रसव अस्पतालों के हवाले है। ज्यादातर आबादी ने सूरज उगने के विहंगम दृश्य से खुद को वंचित कर लिया है। बूढ़ी गाय और जवान बैल बूचड़खाने के रॉ मटेरियल हो चले, माटी एलर्जी का सबसे बड़ा कारण घोषित हो चुकी। अपना घर खुद बनाना-थापना तो अकल्पनीय, एक कील टांगने के लिए भी कथित विशेषज्ञ बुलाये जाने लगे हैं। अपने इनर सोर्स को भूलकर आदमी आउटसोर्स का ज़रिया बन गया है। शरीर का पसीना बहाना पिछड़ेपन की निशानी बन चुका। एअर कंडिशंड आदमी नेचर की कंडिशनिंग करने लगा है।

श्रम को शर्म ने विस्थापित कर दिया है। कुछ घंटे यंत्रवत चाकरी से शुरू करनेवाला आदमी शनैः-शनैः यंत्र की ही चाकरी करने लगा है।

आदमी डरपोक हो चला है। अब वह तिलचट्टे से भी डरता है। मेंढ़क देखकर उसकी चीख निकल आती है। आदमी से आतंकित चूहा यहाँ-वहाँ जितना बेतहाशा भागता है, उससे अधिक चूहे से घबराया भयभीत आदमी उछलकूद करता है। साँप का दिख जाना अब आदमी के जीवन की सबसे खतरनाक दुर्घटना है।

लम्बा होना, ऊँचा होना नहीं होता। यात्रा आकाश की ओर है, केवल इस आधार पर उर्ध्वगामी नहीं कही जा सकती। त्रिशंकु आदमी आसमान को उम्मीद से ताक रहा है। आदमी ऊपर उठेगा या औंधे मुँह गिरेगा, अपने इस प्रश्न पर खुद हँसी आ रही है। आकाश का आकर्षण मिथक हो सकता है पर गुरुत्वाकर्षण तो इत्थमभूत है। सेब हो, पत्ता, नारियल या तारा, टूटकर गिरना तो ज़मीन पर ही पड़ता है।

बोध कथा

चुहिया के स्वयंवर

गंगा नदी के तट पर एक धर्मशाला थी। वहां एक गुरु जी रहा करते थे। वह दिनभर तप और ध्यान में लीन होकर अपना जीवन यापन करते थे। एक दिन जब गुरु जी नदी में नहा रहे थे, उसी समय एक बाज अपने पंजे में एक चुहिया लेकर उड़ा जा रहा था। जब बाज गुरु जी के ऊपर से निकला तो, चुहिया अचानक बाज के पंजे से फिसलकर गुरु जी की अंजुली में आकर गिर गई। गुरु जी ने सोचा कि अगर उन्होंने चुहिया को ऐसे ही छोड़ दिया, तो बाज उसे खा जाएगा। इसलिए, उन्होंने चुहिया को अकेला नहीं छोड़ा और उसे पास के बरगद के पेड़ के नीचे रख दिया और खुद को शुद्ध करने के लिए फिर से नहाने के लिए नदी में चले गए।

नहाने के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके चुहिया को एक छोटी लड़की में बदल दिया और अपने साथ आश्रम ले गए। गुरु जी ने आश्रम पहुंचकर सारी बात अपनी पत्नी को बताई और कहा कि हमारी कोई संतान नहीं है, इसलिए इसे ईश्वर का वरदान समझ कर स्वीकार करो और इसका अच्छे से लालन-पालन करो।

फिर उस लड़की ने स्वयं गुरु जी की देखरेख में धर्मशाला में पढ़ना-लिखना शुरू कर दिया। लड़की पढ़ने में बहुत होशियार थी। यह देखकर गुरु जी और उनकी पत्नी को अपनी बेट पर बहुत गर्व होता था। एक दिन गुरु जी को उनकी पत्नी ने बताया कि उनकी लड़की विवाह योग्य हो गई है। तब गुरु जी ने कहा कि यह विशेष बच्ची एक विशेष पति की हकदार है।

अगली सुबह अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए गुरु जी ने सूर्य देव की प्रार्थना की और पूछा हे सूर्यदेव, क्या आप मेरी बेटी के साथ विवाह करेंगे? यह सुनकर लड़की बोली पिताजी, सूर्य देव पूरी दुनिया को रोशन करते हैं, लेकिन वह असहनीय रूप से गर्म और उग्र स्वभाव के हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने आश्चर्य से पूछा, सूर्य देव से बेहतर कौन हो सकता है? इस पर सूर्य देव ने सलाह दी, आप बादलों के राजा से बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे और मेरे प्रकाश को ढक सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, बादलों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी को स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर बेटी की स्वीकृति हो, तो आप उससे शादी करें।

इस पर बेटी ने कहा, पिताजी, बादलों का राजा काला, गीला और बहुत ठंडा होता है। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने फिर से आश्चर्य में पूछा, भला बादलों के राजा से भी बेहतर कौन हो सकता है? बादलों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप हवाओं के भगवान वायुदेव से बात करें। वह मुझसे बेहतर हैं, क्योंकि वह मुझे कहीं भी उड़ा कर ले जा सकते हैं। इसके बाद, गुरु जी ने फिर से अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, वायु देव को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी के साथ विवाह स्वीकार करें। अगर वह आपको चुनती है तो। लेकिन बेटी ने वायुदेव से भी विवाह करने से इनकार कर दिया और कहा, पिता जी, वायु देव बहुत तेज हैं। वह अपनी दिशा बदलते रहते हैं। मैं उनसे शादी नहीं कर सकती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी फिर सोचने लगे, वायुदेव से भी बेहतर कौन हो सकता है? इस पर वायु देव ने सलाह दी, आप पहाड़ों के राजा से इस विषय में बात कर सकते हैं। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझे बहने से रोक सकते हैं।

इस के बाद गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए, पहाड़ों के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि अगर वह आपको पसंद करती है, तो आप उससे शादी करें। फिर बेटी ने कहा, पिता, पहाड़ों के राज बहुत कठोर हैं। वह अचल हैं। मैं उससे शादी नहीं करना चाहती। कृपया मेरे लिए एक बेहतर पति की तलाश करें। गुरु जी ने सोचा, पहाड़ों के राज से भी बेहतर कौन हो सकता है? पहाड़ों के राजा ने सलाह दी, गुरुजी, आप चूहे के राजा से बात करके देखिए। वह मुझसे बेहतर है, क्योंकि वह मुझमें छेद कर सकता है। आखिर में गुरु जी ने अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए चूहे के राजा को बुलाया और कहा, कृपया मेरी बेटी का हाथ स्वीकार करें। मैं चाहता हूं कि आप उससे शादी करें, अगर वह आपसे शादी करना चाहे। जब बेटी चूहे के राजा से मिली, तो वह खुश होकर शादी के लिए राजी हो गई। गुरु ने अपनी बेटी को एक सुंदर चुहिया के रूप में वापस बदल दिया। इस प्रकार गुरु जी की बेटी चुहिया का स्वयंवर सम्पन्न हुआ।

योगेश कुमार गोयल
फोन : 9416740584.

श्रीनिवास रामानुजन : संख्याओं के जादूगर

प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को भारत में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है, जो देश के महान गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन को सम्मान देने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। करीब एक दशक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने चेन्नई में रामानुजन की 125वीं जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे प्रतिभावान तथा गूढ़ ज्ञान वाले पुरूषों और महिलाओं का जन्म कभी-कभार ही होता है। गणित में रामानुजन के अविस्मरणीय योगदान को याद रखने और सम्मान देने के लिए उसी अवसर पर रामानुजन के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाए जाने का निर्णय लिया गया था।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

वीर गाथा

योगेश कुमार जोशीः बाधाओं, दुर्गम इलाकों और गोलीबारी को पार करते हुए किया महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा

लेफ्टिनेंट जनरल योगेश कुमार जोशी का जन्म 5 जनवरी, 1962 को हरियाणा के फरीदाबाद में हुआ था। आरपी जोशी के वीर पुत्र योगेश भारतीय सेना में कई उच्च पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। वे परम विशिष्ट सेवा पदक, उत्तम युद्ध सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक, वीर चक्र और सेना पदक से सम्मानित हैं।

योगेश कुमार ने कारगिल युद्ध में अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया था। इसके अलावा उन्होंने कई सैन्य अभियानों को अंजाम दिया था। उन्हें शुरुआत में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला में 'के' स्क्वाड्रन आवंटित किया गया था। इसके बाद उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून भेजा गया।

जब कारगिल युद्ध छिड़ा, तब योगेश कुमार जोशी लेफ्टिनेंट कर्नल थे। उन्हें ऑपरेशन विजय के तहत द्रास सेक्टर में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण प्वाइंट 5140 पर कब्जा करने का ज़िम्मा सौंपा गया था।

अपने लक्ष्य को पाने के लिए ले. कर्नल योगेश ने बहुत सूझबूझ से योजना बनाई। उन्होंने हमले से पहले सभी चीजों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। 20 जून, 1999 को जोरदार धावा बोला गया। योगेश अपने साथी जवानों को प्रेरित करते हुए आगे बढ़े।

उधर, पाकिस्तानी फौजी उन पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। ले. कर्नल योगेश के नेतृत्व में भारतीय जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। देखते ही देखते भारतीय जवानों ने भारी बाधाओं, दुर्गम इलाकों और दुश्मन की गोलीबारी को पार करते हुए प्वाइंट 5140 की महत्त्वपूर्ण चोटी पर कब्जा कर लिया।

इस दौरान पाकिस्तान के छह फौजियों को भी ढेर कर दिया गया। यह भारत सेना की बहुत बड़ी कामयाबी थी। इसके लिए ले. कर्नल योगेश कुमार जोशी को वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे समयानुसार पदोन्नति पाते हुए उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बने। लेफ्टिनेंट जनरल जोशी चीनी भाषा के विशेषज्ञ भी हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पोज

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के 120वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान एक समूह तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने वैश्विक शांति के लिए योग और ध्यान की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शनिवार को ध्यान को 'सभ्यता का स्रोत' बताते हुए योग व ध्यान की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित किया और मौजूदा वैश्विक हिंसा व संघर्ष के बीच विश्व शांति को बढ़ावा देने के लिए जीवनशैली में इसे अपनाने का आग्रह किया। ओली ने 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर काठमांडू के तुइंदेखेल मैदान में 30 मिनट के ध्यान सत्र के दौरान लगभग 5,000 लोगों को संबोधित करते हुए सकारात्मक सोच और अहिंसा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग और ध्यान को दैनिक जीवन में शामिल करने की वकालत करते हुए कहा कि हथियारों के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल करके शांति हासिल नहीं की जा सकती।

प्रधानमंत्री ने समग्र स्वास्थ्य के लिए नियमित ध्यान की आवश्यकता पर जोर दिया और इस तरह के प्राचीन ज्ञान को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसे स्कूली पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाना चाहिए। ओली ने योग और ध्यान के माध्यम से नेपाल को एक स्वस्थ राष्ट्र बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक नेता भी शामिल हुए, जिनमें ओशो तपोवन के प्रमुख स्वामी आनंद अरुण और एलपी भानु शर्मा शामिल थे।

नेपाल ने छह अन्य देशों सहित भारत के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र महासभा में 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा था। संयुक्त राष्ट्र ने छह दिसंबर को इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और ध्यान के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिवस को मान्यता दी।

ध्यान सभी धर्मों और सीमाओं से परे है: प्रथम विश्व ध्यान दिवस पर संरा में नेताओं ने कहा

संयुक्त राष्ट्र//दक्षिण भारत। प्रमुख आध्यात्मिक एवं संयुक्त राष्ट्र नेताओं ने यहां प्रथम 'विश्व ध्यान दिवस' के अवसर पर कहा कि ध्यान सभी धर्मों एवं सीमाओं से परे है और बढ़ते संघर्षों एवं गहरे अविश्वास से भरे वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति का एक शक्तिशाली साधन भी है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को वैश्विक निकाय के मुख्यालय में प्रथम विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में 'वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए ध्यान' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में कहा, आज ध्यान कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह एक आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र के राजदूत, अधिकारी, कर्मचारी, नागरिक संस्थाओं के सदस्य और भारतीय-अमेरिकी प्रवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए। ध्यान एक ऐसी चीज है जिसे कोई भी, कभी भी और कहीं भी कर सकता है। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन लोगों के लिए दरवाजा खोलता है जिनके मन में कुछ शंकाएं हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने भी अपने वक्तव्य में कहा कि ध्यान सीमाओं, आस्थाओं, परंपराओं और समय से परे है तथा यह सभी को रुक कर अपनी अंतरात्मा को सुनने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

सैन्य अदालत ने पिछले साल नौ मई को हुई हिंसा मामले में 25 लोगों को सजा सुनाई

इस्लामाबाद/दक्षिण भारत। पाकिस्तान की सैन्य अदालतों ने पिछले साल मई में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के दौरान सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के मामलों में 25 लोगों को दो से 10 साल तक कारवास की सजा सुनाई है। सेना ने शनिवार को यह घोषणा की। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने भ्रष्टाचार के एक मामले में पार्टी संस्थापक इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए नौ मई, 2023 को रावलपिंडी में सेना मुख्यालय और फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित कई सैन्य प्रतिष्ठानों पर कथित तौर पर हमला किया था। देशव्यापी छापेमारी में सैकड़ों संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया तथा सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों में संलिप्तता के कारण कम से कम 103 लोगों को मुकदमे के लिए सैन्य अधिकारियों को सौंप दिया गया। एक विस्तृत बयान में सेना ने कहा कि राष्ट्र ने नौ मई को कई स्थानों पर राजनीतिक रूप से उकसावे वाली हिंसा और आगजनी की दुखद घटनाओं को देखा जो पाकिस्तान के इतिहास में एक काला अध्याय है। सेना ने कहा कि नफरत और झूठ के निरंतर विमर्श के आधार पर सैन्य प्रतिष्ठानों और शहीदों के स्मारकों पर राजनीतिक रूप से योजनाबद्ध हमले किए गए।

बयान के अनुसार 'फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल' ने साक्ष्यों की गहन समीक्षा और उचित कानूनी प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद पहले चरण में 25 व्यक्तियों को सजा सुनाई। इसमें कहा गया है कि दोषियों को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए दो से 10 साल तक कारावास की सजा सुनाई गई है।

काशी के नमो घाट पर होगा नागा चैतन्य और सई पल्लवी की फिल्म तंडेल का नया गाना नमो नमः शिवाय

मुंबई/एजेन्सी

युवा सम्राट नागा चैतन्य की बहुप्रतीक्षित फिल्म तंडेल, जिसका निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया है और जिसका निर्माण बनी वासु ने प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत किया है, जिसे अल्लू अरविंद प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें बहुत ही प्रतिभाशाली साई पल्लवी मुख्य महिला भूमिका में हैं। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है, और पहला एकल बुज्जी थल्ली 30 मिलियन से अधिक व्यू के साथ पहले से ही सभी संगीत चार्ट में शीर्ष पर है। निर्माताओं ने 22 दिसंबर को काशी के नमो घाटों पर फिल्म का दूसरा गाना- नमो नमः शिवाय को लॉन्च करेंगे। यह गीत संगीत की दृष्टि से आकर्षक और दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक होने की उम्मीद है, जो श्रीकाकुलम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन श्री मुखलिंगम शिव मंदिर को दर्शाता है। निर्माता एक शानदार अनुभव का वादा करते हैं जो त्यौहार को उसकी पूरी महिमा में मनाएगा। इस जथारा गाने की कोरियोग्राफी शेखर मास्टर ने की थी।

नमो नमः शिवाय का पोस्टर इस रहस्य को और बढ़ाता है, जिसमें नागा चैतन्य और साई पल्लवी शक्तिशाली शिव और शक्ति मुद्राओं में कैद हैं, जो एक-दूसरे को गहन ध्यान से देख रहे हैं। भारी भीड़ से घिरे, उनके पारंपरिक परिधान और जथारा का जीवंत माहौल गाने के आध्यात्मिक विषय को जीवंत कर देता है। इस गाने को बड़े बजट में बड़े पैमाने पर शूट किया गया था, जिससे यह नागा चैतन्य का अब तक का सबसे महंगा ट्रैक बन गया। फिल्म में एक उल्लेखनीय क्रू भी है, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार देवी श्री प्रसाद ने संगीत दिया है, शमदत ने सिनेमैटोग्राफी संभाली है, और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली संपादक हैं। श्रीनागेंद्र तंगला कला विभाग के प्रमुख हैं।

तंडेल 7 फरवरी को रिलीज के लिए तैयार हो रही है। फिल्म में नागा चैतन्य और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि चंदू मोंडेती लेखक और निर्देशक हैं। अल्लू अरविंद द्वारा प्रस्तुत और प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत बनी वासु द्वारा निर्मित, इस फिल्म में एक असाधारण तकनीकी दल है। संगीत देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित है, छायांकन शमदत द्वारा किया गया है और संपादन नवीन नूली द्वारा किया गया है। कला निर्देशन श्रीनागेंद्र तंगला द्वारा संभाला गया है, जबकि वामसी-शेखर पीआरओ के रूप में काम करते हैं, और मार्केटिंग का प्रबंधन फर्स्टशो द्वारा किया जाता है।

निमरत कौर ने मनाया विश्व साड़ी दिवस

मुंबई/एजेन्सी

विश्व साड़ी दिवस के अवसर पर शनिवार को अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह एक खूबसूरत काली साड़ी में दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग पोज देते हुए अभिनेत्री ने खुद के वीडियो भी शेयर किए। अभिनेत्री ने तस्वीरों के साथ लिखा, हर साड़ी एक कहानी कहती है। क्या आप मेरी कहानी पढ़ सकते हैं? अभिनेत्री कौर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक फैन ने लिखा, सुंदरता। दूसरे फैन ने कहा, कितनी प्यारी फोटो है! विश्व साड़ी दिवस हर साल 21 दिसंबर को मनाया जाता है, जो साड़ी की सुंदरता, सांस्कृतिक महत्व और स्थायी विरासत के लिए वैश्विक स्तर पर समर्पित है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को साड़ी का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है, एक ऐसा परिधान जो सदियों से भारतीय परंपरा का प्रतीक है। पिछले कुछ हफ्तों से अभिनेत्री दसवीं के सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ अपने कथित लिंकअप की अफवाहों के कारण सुर्खियों में हैं। हालांकि, बच्चन परिवार के एक करीबी सूत्र ने अफवाहों को तुरंत खारिज करते हुए उन्हें शरारती, दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह से बकवास बताया। अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म सजनी शिंदे का वायरल वीडियो में देखा गया था, जहां उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित मिस्ट्री थ्रिलर में राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी हैं।

कथित तौर पर कौर को अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया अभिनीत आगामी फिल्म स्काई फोर्स में एक महत्वपूर्ण भूमिका में लिया गया है। वह इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगी, जो अगले साल रिलीज होने वाली है।

धूम मचाने के लिए तैयार है कियारा आडवाणी

मुंबई/एजेन्सी

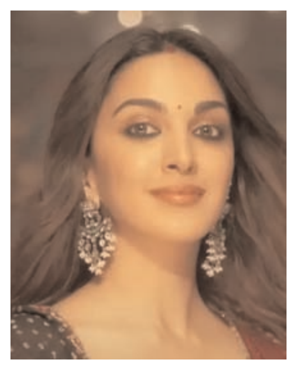

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी वर्सेटिलिटी और स्टार पावर को दिखाते हुए आने वाली फिल्मों की एक प्रभावशाली लाइन-अप के साथ दर्शकों को चकित करने के लिए तैयार हैं। वर्ष 2025 में रिलीज़ के लिए निर्धारित, फ़िल्म गेम चेंजर प्रशंसित एस. शंकर द्वारा निर्देशित है। इस फिल्म में कियारा राम चरण के साथ हैं, जो एक डायनामिक ऑन-स्क्रीन जोड़ी का वादा करता है। शंकर के दूरदर्शी निर्देशन के साथ, फ़िल्म गेम चेंजर कियारा के करियर में एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है।एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट टॉक्सिक है, जो दर्शकों के लिए एक फेरीटेल है, जिसे गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। कियारा इस फिल्म में यश के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, जो उनके विविध पोर्टफोलियो में उत्साह की एक और परत जोड़ देगा।

अयान मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर वॉर की महत्वाकांक्षी सीक्वल में ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी एक साथ नज़र आएंगे। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और मनोरंजक ड्रामा देने का वादा करती है, जो कियारा की एक डायनामिक और पावरहाउस कलाकार के रूप में स्थिति को और मजबूत करती है। कियारा आइकोनिक डॉन फ्रैंचाइज़ी की बहुप्रतीक्षित तीसरी क़िस्त में भी दिखाई देंगी। फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, इस स्टाइलिश और एक्शन से भरपूर थ्रिलर में वह रणवीर सिंह के साथ नज़र आएंगी। कियारा आडवाणी के आगामी प्रोजेक्ट्स अलग-अलग भूमिका निभाने और इंडस्ट्री के कुछ टॉप टैलेंट्स के साथ काम करने की उनकी क्षमता को उजागर करते हैं। उनकी सशक्त लाइनअप उनकी बढ़ती स्टार पावर और टॉप डायरेक्टर्स और एक्टर्स द्वारा उन पर रखे गए भरोसे का साफ संकेत है। फैंस इन रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, जो रोमांचकारी और यादगार सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती हैं।

'थलपति 69' में नजर आएंगी पूजा हेगड़े, दिखाई शूटिंग की झलक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर चेन्नई में अपनी मोस्ट अवेटेड 'थलपति 69' की शूटिंग की झलक दिखाई। फिल्म में अभिनेत्री के साथ थलापति विजय लीड रोल में हैं।सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की है। शेयर की गई तस्वीर में 'चेन्नई मॉर्निंग्स डे 16' लिखा दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि उनका दिन सुबह 6.30 बजे शुरू हो चुका है। 'थलपति 69' के साथ पूजा हेगड़े विजय के साथ पहली बार काम करने जा रही हैं। थलापति और पूजा की आगामी फिल्म एच. विनोद द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले वेंकट के. नारायण द्वारा निर्मित है। विजय के राजनीति में एंट्री के बाद से 'थलपति 69' और भी खास हो गई है।

फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े के साथ गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि, ममिता बैजू, मोनिशा ब्लेसी और वरलक्ष्मी शरतकुमार जैसे सितारे अहम रोल में हैं। रिपोर्टर्स के मुताबिक, फिल्म में विजय एक निलंबित पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे, जो एक खास मिशन के लिए अपनी शक्ति वापस पाता है। 'थलपति 69' अक्टूबर 2025 में रिलीज होगी। फिल्म की शुरुआत 4 अक्टूबर को पारंपरिक पूजा समारोह के साथ हुई। फिल्म मेकर्स ने पहले दिन की तस्वीर साझा की थी।

पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की झोली में 'देवा' भी है। एक्शन-ड्रामा फिल्म में पूजा के साथ लीड रोल में शाहिद कपूर हैं। फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। इसके अलावा उनकी झोली में सुपरस्टार सूर्या के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म 'सूर्या 44' और रोमांटिक-कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है' भी है।

स्नेहा वाघ छठी मैया की बिटिया शो में निभा रहीं मुख्य किरदार

पटना/एजेन्सी

दुनिया की तेज रफ्तार ज़िंदगी में अपनी आध्यात्मिक यात्रा के माध्यम से शांति और उद्देश्य को पाया है। इसी में अभिनेत्री स्नेहा भी शामिल हैं जो फिलहाल सन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया' में छठी मैया का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में, स्नेहा ने अपनी इस यात्रा के बारे में खुलकर बात की और बताया कि यह कैसे शुरू हुई और उनके जीवन पर इसका गहरा प्रभाव कैसा रहा। स्नेहा वाघ ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा,मेरी आध्यात्मिक यात्रा 2016-17 के आसपास शुरू हुई जब मैंने अपने भीतर शांति की तलाश शुरू की। समय के साथ, खासकर पिछले तीन-चार वर्षों में मेरा आध्यात्मिकता के प्रति जुड़ाव और गहरा हुआ। इस दौरान, मैंने भारत के प्राचीन मंदिरों की यात्रा की, वहां की कथाओं और शिक्षाओं को सुना और उनके महत्व को पढ़ा। इन यात्राओं के दौरान, मैंने भारत के दूरस्थ हिस्सों में ऐसे मंदिर खोजे, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इन अनुभवों ने मुझे महसूस कराया कि हमारा देश संस्कृति और विरासत के मामले में कितना समृद्ध है।

उन्होंने आगे कहा,शुरुआत में मुझे मंदिरों की वास्तुकला ने आकर्षित किया। बाद में, इन मंदिरों में स्थित देवताओं ने मुझे खींचना शुरू किया और यहीं से मैंने पौराणिक कथाओं का अध्ययन करना शुरू किया। पौराणिक कथाओं के माध्यम से, मैंने जीवन और सभ्यता के विकास की व्यापक कहानी से जुड़ाव महसूस किया। इस अहसास ने मेरे विश्वास को मजबूत किया और संस्कृति व सभ्यता के बारे में अधिक जानने की प्रेरणा दी। स्नेहा वाघ ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी अपनी राय दी उन्होंने कहा,आज मैं एक दिलचस्प बदलाव देखती हूं जब हम पश्चिमी संस्कृति को अपना रहे हैं, तब पश्चिम के लोग भारतीय परंपराओं को अपना रहे हैं। वे हमारे रीति-रिवाजों के वैज्ञानिक लाभों को प्रमाणित करके उनकी अहमियत को पहचान रहे हैं। इसे देखकर मुझे हमारी विरासत में और गहराई से जाने की प्रेरणा मिली।

मैंने भारतीय आध्यात्मिकता के विभिन्न पहलुओं पर पढ़ना और शोध करना शुरू किया, जिसने मुझे आंतरिक शांति और सार्थक जीवन जीने का मार्ग दिखाया। इस यात्रा ने मुझे भारतीय संस्कृति की समृद्धि का एहसास कराया और मुझे इन शाश्वत मूल्यों पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

स्नेहा वाघ ने 'छठी मैया की बिटिया' शो में देवोलीना भट्टाचार्य की जगह ली है और दर्शक उनके प्रदर्शन से प्रभावित हैं। यह शो, जो सन नियो पर शाम 7 बजे प्रसारित होता है जो वैष्णवी (बृंदा द्वारा अभिनीत किरदार) की कहानी को प्रदर्शित करता है। वैष्णवी एक अनाथ लड़की है जो छठी मैया पर अटूट विश्वास रखती हैं और उन्हें अपनी माँ मानती हैं जो समस्या में अपनी बेटी की सहायता करती हैं। शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, बृंदा दहल और आशीष दीक्षित जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जीतो महिला विंग साउथ द्वारा महावीर धर्मशाला में 'स्वयं' की प्रमुख परियोजना के तहत आराम चेयर्स द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का समापन हुआ। जीतो लेडीज विंग साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि यह आयोजन केवल ट्रेंड्स, प्रतिभाओं और अवसरों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह एकता, सहयोग और साझा उद्देश्य की ताकत का प्रतीक था।

'एक शाम बालाजी के नाम' भजन संध्या की तैयारियां जोरों पर

प्रिंसेस श्राइन सभागार में 27 दिसम्बर को होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एफटीएस युवा बेंगलूरु चैप्टर के तत्वावधान में 'एक शाम बालाजी के नाम' भजन संध्या का आयोजन 27 दिसंबर को प्रिंसेस श्राइन सभागार में किया जा रहा है जिसकी तैयारियों के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया। संस्था के युवा अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में मंदसौर की भजन गायिका अधिष्ठा एवं अनुष्का भजनों की प्रस्तुति देंगे। साथ ही स्थानीय भजन गायक विक्रम जैन भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

युवा सचिव पवन राजलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप के मुरारीलाल सरावगी, महाप्रसादी के लाभाथी सरिता आशीष गुप्ता परिवार है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में गुरुपुण्यवाणी कम्पनी के प्रमुख संजय बैद होंगे। अमित सिंह, अरुण शर्मा, प्रहलाद जोशी व अनिल मालवीय को कार्यक्रम का संयोजक बनाया गया है। युवा टीम से कार्यक्रम के लिए विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, गणपत माली, रचना डालमिया, मितेश खंडेलवाल, उत्तम बागरेचा एवं आरती अग्रवाल कार्यक्रम की तैयारियों में जुड़े हुए हैं।

अग्रसेन भवन में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ कल से

स्वामी व्यासानंद कथा का श्रवण करवाएंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय संतमत परिवार प्रचार समिति के तत्वावधान में 23 से 29 दिसम्बर तक जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा के उपलक्ष्य में सोमवार को प्रात: 9 बजे विशाल कलश व पोथी यात्रा निकाली जाएगी। 28 दिसम्बर तक मध्यान्ह 3 बजे से तथा 29 को कथा पूर्णाहुति के मौके पर सुबह 10 बजे से कथा श्रवण कराई जाएगी। व्यासपीठ से सदगुरु महर्षि मेंहीँ महाराज के शिष्य स्वामी व्यासानंदजी महाराज श्रीभागवत कथा का श्रवण करवाएंगे । आयोजकों ने बताया कि इस कथा की तैयारियों जोरों से चल रही है और विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए अनेक समितियों का गठन किया गया है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं को कथा श्रवण के लिए आमंत्रित किया है।

ऊंची सफल उड़ान के साथ जीतो उड़ान प्रदर्शनी का हुआ समापन

प्रदर्शनी को ग्राहकों का मिला अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो महिला विंग साउथ द्वारा महावीर धर्मशाला में 'स्वयं' की प्रमुख परियोजना के तहत आराम चेयर्स द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का समापन हुआ। जीतो लेडीज विंग साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने कहा कि यह आयोजन केवल ट्रेंड्स, प्रतिभाओं और अवसरों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह एकता, सहयोग और साझा उद्देश्य की ताकत का प्रतीक था। 'उड़ान' सिर्फ व्यापार या खरीदारी का आयोजन नहीं था, यह एक ऐसा मंच था जहां विभिन्न जीवनशैलियों के लोग एक साथ आए, जहां खुशियों के पल बने, रिश्तों ने आकार लिया और एक बदलाव का बीज बोया गया।

महामंत्री निधि पालरेचा ने बताया कि उड़ान प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना है। कोषाध्यक्ष संगीता पारख ने कहा कि उड़ान में उद्यमी महिलाओं को एक सुरक्षित और सशक्त मंच दिया गया।

संयोजिका अंजली जैन ने कहा कि यह आयोजन हमें यह सिखाता है कि जब हम एक साझा दृष्टिकोण के साथ एकजुट होते हैं, तो हम असाधारण चीजें हासिल कर सकते हैं। सह-संयोजिका नीतू गुलेच्छा ने प्रदर्शकों से कहा कि उनकी उत्कृष्टता के प्रति समर्पण और निरंतर समर्थन हमें हर साल उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

मेंटर्स प्रिया गांधी और राशि जैन ने कहा कि आज के समापन के साथ, हम जो ऊर्जा, प्रेरणा और मूल्य लेकर जा रहे हैं, उसे साथ लेकर हम और भी ऊँचाइयों तक उड़ान भरेंगे। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया और जीतो लेडीज विंग, जीतो लेडीज विंग संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने शुभकामनाएँ दी। जीतो लेडीज विंग प्रमुख बबीता रायसोनी ने अपनी टीम के साथ प्रत्येक स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने कपड़े, खाद्य सामग्री, बैग, चप्पल्स, क्रॉकरी, घरेलू सामान और लेडीज एक्सेसरीज की स्टॉल्स पर जाकर प्रदर्शकों से उनके उत्पादों की जानकारी ली। इस कड़ी में जीतो लेडीज विंग के लिए सदस्यता ड्राइव भी चलाई गई। सदस्यता संयोजक तरुणा मेहता ने इस दिशा में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर जीतो लेडीस विंग की सहमंत्री साक्षी जैन और चंद्रा जैन, अस्मिता चौहान, अर्पिता लडानी, अंगिका बाफना, कविता जैन, हेमा सोलंकी, निशा कोठारी, रेखा जैन, रेखा किशोर, संगीता सियाल और सोमना सिसोदिया ने व्यवस्था संभाली।

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के राजस्थानी 36 कौम विष्णु समाज द्वारा रामोहल्ली स्थित वृन्दावन गौशाला में रविवार को 'एक शाम गौ माता के नाम' भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें भजन कलाकार ओम मुंडेल एवं राधेश्याम माली भजनों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में गौ भक्त पुखराज महाराज, रमेशकुमार भंडारी एवं विभिन्न समाजों के गणमान्यों की उपस्थिति रहेगी गौशाला के प्रतिनिधियों ने गौसेवक व वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र मुणोत को उनके प्रतिष्ठान पर जाकर आमंत्रण पत्रिका देकर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया

तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित तत्त्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन की परीक्षा का आयोजन तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा तेरापंथ भवन में किया गया। कंचन छाजेड, लता बाफना, लक्ष्मी बैद, कान्ता लोढ़ा, वन्दना भंसाली एवं सीमा दक कुल 6 परीक्षार्थियों ने दोनों दिन परीक्षा दी। तत्त्वज्ञान प्रभारी मंजू बोथरा एवं सहप्रभारी अनिता बैद ने व्यवस्था संभाली। पर्यवेक्षक के रूप में अध्यक्षा सुमन पटावरी, मंत्री पदमा महेर, अभातेमम से मधु कटारिया, शारदा बैद एवं पूर्वाध्यक्ष सरोज बैद आदि उपस्थित थे।

'दस का दम' खेल महोत्सव में जीतो महिला सदस्याओं ने किया शानदार प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की लेडीज विंग द्वारा 'दस का दम' खेल महोत्सव का आयोजन अकैडमिक सिटी में हुआ जिसमें 150 सदस्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़, संयोजिका तनुजा मेहता, सहसंयोजिका पुष्पा जैन और पूर्व अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने किया। मुख्य प्रायोजक अकैडमिक सिटी स्कूल के पुष्पा महिपाल जैन और सहप्रायोजक एम्पायर ज्वेलस के संगीता विनोद मूथा थे। पुष्पा जैन ने कहा कि अकैडमिक सिटी स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देता है, और दस का दम महोत्सव महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक बेहतरीन माध्यम है। संगीता मूथा ने भी इस आयोजन को महिलाओं और युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत बताया, जिससे उन्हें अपनी क्षमताओं को दिखाने का मौका मिलता है।

इस खेल महोत्सव में दस विभिन्न खेलों जैसे ऑक्टोपस रिले, नंबर निंजा, टिक-टैक-टो, और ड्रिप ड्रॉप ड्रिजल का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। टीम क्विकरी क्वीन टीम ने पहला, बेताला गेलेक्सी टीम ने दूसरा व सुपर सालेचा टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जीतो नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, लेडीज विंग संयोजक नेमीचंद दलाल ने शुभकामनाएं दी। उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, सुमन सिंघवी, सहमंत्री मीना बड़ेरा, सुमन रांका ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यसमिति सदस्य अलका लोढ़ा, बिन्दु नाहर, मोना आँचलिया, प्रेमा रांका, नंदा बाफ़ना, नेहा भंडारी ने कार्यभार सम्भाला। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से कोषाध्यक्ष एवं संयोजिका तनुजा मेहता व महामंत्री रक्षा छाजेड ने किया। सहमंत्री सुमन रांका ने धन्यवाद दिया।

अहमदाबाद : घर में पहुंचाए गए पार्सल में विस्फोट से दो लोग घायल, एक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद शहर में शनिवार सुबह एक घर में भेजे गए इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और बैटरी से भरे पार्सल में विस्फोट हो गया, जिससे दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट साबरमती क्षेत्र में एक घर में सुबह करीब 10:45 बजे हुआ।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (सेक्टर-1) नीरज बडगुजर ने बताया कि घर पर पार्सल पहुंचाने वाला व्यक्ति भी घायल हो गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी विवाद का बदला लेने के लिए यह पार्सल बलदेव सुखाड़िया के घर पहुंचाया गया था।

बडगुजर ने कहा, आरोपी गौरव गढ़वी ने जब पार्सल सौंपा तो प्राप्तकर्ता ने धुआं उठते देखा। पार्सल में विस्फोट हो गया, जिससे सुखाड़िया के भाई किरीट को चोटें आईं।

उन्होंने बताया कि गढ़वी भी घायल हो गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की टीम घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही हैं। उन्होंने कहा, प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि सुखाड़िया परिवार के साथ विवाद के चलते पार्सल इस पते पर पहुंचाया गया था। उन्हें पहले भी धमकियां मिली थीं।

अधिकारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि बम को रिमोट से संचालित किया गया था तथा घटनास्थल से इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, बैटरी और ब्लेड बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जांच दल उपकरण की वास्तविक प्रकृति की जांच कर रहा है। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और फॉरेंसिक टीम वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई है।

भीनमाल जैन संघ की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भीनमाल जैन संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सभी पदाधिकारियों ने पद ग्रहण किया। जयंतीलाल चौहान को अध्यक्ष, वंशराज बोहरा को उपाध्यक्ष , जयंतीलाल श्रीश्रीमाल को सचिव, राजेश वाणीगोता को सहसचिव एवं शांतिलाल लूँकड को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई गई। शोकल भिमोणी, अशोक सालेचा, दिनेश सेठ, नेमीचंद संघवी, संजय भंडारी, दिनेश मेहता, मफ़तलाल फालगोता, संजय वर्धन, विकेश संघवी को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया।

अंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस का केजरीवाल पर प्रहार: इस व्यक्ति के इतिहास को सब जानते हैं

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर से जुड़े विषय पर शनिवार को आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि इस व्यक्ति के इतिहास के बारे में सब जानते हैं और यह भी पता है कि उन्होंने आरक्षण के बारे में क्या बोला था।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दिल्ली में बाबासाहेब के नाम पर छात्रवृत्ति शुरू करने के केजरीवाल के वादे के बारे पूछे जाने पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, आप (पत्रकार) मुझसे ज्यादा इस व्यक्ति के इतिहास को जानते हैं। इस व्यक्ति ने पहले आरक्षण के लिए क्या बोला था, वह भी जानते हैं। यूथ फॉर इक्वलिटी में क्या था, इंडिया अगेंस्ट करप्शन में कौन-कौन थे, आप जानते है। मेरा मुंह मत खुलवाइए।

खेड़ा ने केजरीवाल पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम को बाबासाहेब का नाम लेने के लिए हटा दिया गया था।

गौतम अब कांग्रेस में हैं।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों 'इंडिया' गठबंधन के घटक हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने शनिवार को अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति' योजना की घोषणा की है, जिसके तहत विदेश में पढ़ने वाले दलित छात्रों की पढ़ाई का खर्चा उठाया जाएगा।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट शनिवार को जयपुर में राज्य सरकार के खिलाफ युवा कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए।

इस्कॉन ने बांग्लादेश में पुजारी की 'हत्या' की निंदा की

कोलकाता। इस्कॉन की कोलकाता इकाई ने शनिवार को बांग्लादेश के नाटोर के एक श्मशान घाट मंदिर में कथित तौर पर बांग्लादेशी चरमपंथियों द्वारा एक हिंदू पुजारी की 'हत्या' की निंदा की। इस्कॉन ने पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार पर धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया, जिन्हें शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से निरंतर यातना का सामना करना पड़ रहा है। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया और कहा, बांग्लादेश में नाटोर के काशिमपुर सेंट्रल श्मशान में स्थित मंदिर पर हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। कीमती सामान लूट लिया गया और मंदिर के सेवायत तरुण चंद्र दास की बेरहमी से हत्या कर दी गई।

बीएमसी चुनाव अकेले लड़ सकती है शिवसेना : राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

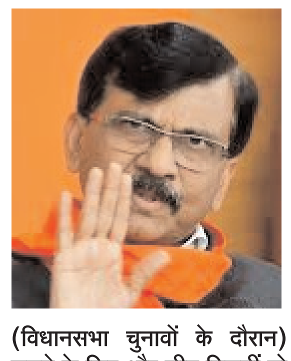

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को संकेत दिया कि उनकी पार्टी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) का चुनाव अकेले लड़ सकती है।

राउत ने पत्रकारों से कहा कि पार्टी कार्यकर्ता स्थानीय निकाय चुनावों में संगठन के अकेले लड़ने पर जोर दे रहे हैं क्योंकि लोकसभा या राज्य विधानसभा चुनावों की तुलना में इस बार दावेदार अधिक हैं। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे और अन्य पार्टी नेताओं के बीच बीएमसी चुनाव (अकेले लड़ने को लेकर) बातचीत जारी है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी अकेले चुनाव लड़े।

बीएमसी पर अविभाजित शिवसेना का 1997 से 2022 तक लगातार 25 वर्ष नियंत्रण था। बीएमसी के पिछले निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल मार्च 2022 की शुरुआत में समाप्त हो गया था।

राउत ने कहा कि मुंबई में पार्टी की ताकत निर्विवाद है। उन्होंने कहा, अगर हमें मुंबई में (विधानसभा चुनावों के दौरान) लड़ने के लिए और सीट मिलतीं तो हम उन्हें जीत लेते।

राउत ने दावा किया कि मुंबई को जीतना जरूरी है, अन्यथा यह शहर महाराष्ट्र से अलग हो जाएगा। उन्होंने कहा, यहां तक कि जब (अविभाजित) शिवसेना का भाजपा के साथ गठबंधन था तब भी हमने बीएमसी और अन्य नगर निकाय चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े थे। हम ऐसा करने के तरीके खोजने की कोशिश कर रहे हैं। पुणे, पिंपरी-चिंचवड और नासिक नगर निकायों में एमवीए बरकरार रहेगा।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह कहा था कि शिवसेना अगले साल होने वाले बीएमसी चुनाव सत्तारूढ़ महायुति के तहत लड़ेगी।

हरित परिवहन क्रांति के मुहाने पर खड़ा है भारत: केंद्रीय राज्यमंत्री टम्टा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने शुक्रवार को कहा कि भारत हरित परिवहन क्रांति के मुहाने पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपए का होने की क्षमता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री टम्टा यहां भारत मंडपम मं 21वें ईवी एक्सपो में खालसा ईवी की बैटरी चालित तिपहिया वाहनों की नई श्रृंखला पेश करने के मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भारत हरित परिवहन क्रांति के मुहाने पर खड़ा है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपए का होने की क्षमता है, जिससे पूरे ईवी पारिस्थितिकी तंत्र में पांच करोड़ नौकरियां पैदा होंगी। टम्टा ने कहा, इलेक्ट्रिक वाहन सिर्फ परिवहन का एक साधन नहीं हैं, वे एक टिकाऊ और आत्मनिर्भर भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

उत्पादों की नवीनतम श्रृंखला पर टिप्पणी करते हुए खालसा ई-व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शिवम नारंग ने कहा, हमारा ध्यान राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (एनईएमएमपी) के साथ जुड़ा हुआ है जिसका उद्देश्य देश में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय ईंधन सुरक्षा हासिल करना है।

खालसा ईवी ने अपने नवीनतम तिपहिया मॉडल एल5 का अनावरण किया, जिसका नाम 'लुका' है। यह 200 किलोमीटर की रेंज वाली हाई-स्पीड लिथियम-आयन बैटरी द्वारा संचालित है, जो भारत में अपनी श्रेणी में पहला है। यह मॉडल यात्री और माल ढुलाई, दोनों संस्करणों में उपलब्ध होगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com